राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार, 30 जुलाई 2022 वर्ष–5,अंक–185 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कर्नाटक में फिर कत्ल, अब मंगलूरु में गई युवक की जान, 3 दिन में दूसरी हत्या से तनाव

मंगलूरु। कर्नाटक में तीन दिनों के बीच दूसरी हत्या से तनाव है। खबर है कि मंगलूरु के सूरतकल जिले में अज्ञात लोगों ने 23 वर्षीय युवक का कत्ल कर दिया। हालांकि, वारदात की वजह अब तक साफ नहीं है। पुलिस ने जिले के कई स्थानों पर धारा 144 लागू कर दी है। वहीं, मुस्लिम समुदाय के लोगों से घर पर ही नमाज पढ़ने की अपील की है। दो दिन पहले ही बेल्लारी में रहने वाले युवक की हत्या का मामला सामने आया था। मंगलूरु पुलिस आयुक्त एन शशि कुमार ने बताया, रात करीब 8 बजे एक घटना हुई, जहां सूरतकल में कृष्णपुरा काटिपल्ला रोड के पास 4-5 लोगों ने 23 साल के युवक पर बेरहमी से हमला कर दिया। उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस घटना के बाद सूरतकल में बड़ी सभाओं पर रोक लगा दी है।

पुलिस अधिकारी ने बताया, युवाओं के एक समूह की तरफ से उसपर घातक हथियारों से हमला किया

गया था। सूरतकल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। सूरतकल, मुल्की, बाजपे, पनंबूर में धारा 144 लागू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि वह एक चश्मदीद की शिकायत दर्ज कर रहे हैं, जो वारदात के वक्त युवक के साथ था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मृतक का नाम फैजल है। उसका पोस्टमॉर्टम पूरा हो चुका है और शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जा रहा है।

पुलिस ने मुस्लिम नेताओं से घरों में ही नमाज पढ़ने की अपील की है। कहा गया, 29 जुलाई को क्षेत्र में सभी शराब की दुकानें बंद रहेंगी। कानून और व्यवस्था के मद्देनजर हमने सभी मुस्लिम नेताओं से घर पर ही नमाज पढ़ने की अपील की है। जल्दी उचित और निष्पक्ष रूप से न्याय होगा।

साथ ही पुलिस ने किसी भी तरह की अफवाहों पर भरोसा नहीं करने की भी अपील की है। उन्होंने कहा, घटना के पीछे की वजह और दोषियों की पहचान की जांच की जा रही है... मं सभी नागरिकों से किसी अफवाहों को नहीं मानने की अपील करता हूं।

दो दिन पहले ही भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के कार्यकर्ता की भी हत्या हो गई थी। वारदात के समय युवक दुकान बंद कर अपने घर की ओर लौट रहा था।

पुलिस ने जिले के कई स्थानों पर धारा 144 लागू कर दी है। वहीं, मुस्लिम समुदाय के लोगों से घर पर ही नमाज पढ़ने की अपील की है। दो दिन पहले ही बेल्लारी में रहने वाले युवक की हत्या का मामला सामने आया था। मंगलूरु पुलिस आयुक्त एन शशि कुमार ने बताया, रात करीब 8 बजे एक घटना हुई, जहां सूरतकल में कृष्णपुरा काटिपल्ला रोड के पास 4-5 लोगों ने 23 साल के युवक पर बेरहमी से हमला कर दिया।

असम में अल कायदा टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़, 12 जिहादी गिरफ्तार, मदरसे से रची जा रही थी साजिश

नई दिल्ली। हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि कल से लेकर आज तक हमने असम के बारपेटा और मोरीगांव ज़िलो में 2 जिहादी मॉड्यूल को पकड़ा है और इस जिहादी मॉड्यूल में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार किया है। असम में एक बड़े टेरर मॉडयूल का भंडाफोड़ हुआ है। कहीं ना कहीं, असम पुलिस की यह बड़ी कामयाबी है। इस टेरर मॉडयूल के तहत 2 जिलों से 12 जिहादियों को गिरफ्तार किया गया है। दावा किया जा रहा है कि यह जिहादी मदरसों के जरिए अपनी साजिश को अंजाम देने की कोशिश में जुटे हुए थे। इसके साथ ही मोरीगां के एक मदरसे के मुक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है। बारपेटा पुलिस स्टेशन में धारा 17/18/18 (बी)/19/20 (क) अधिनियम, 1967 में तहत मामला दर्ज हुआ है। खुद इस बात की जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दी। हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि कल से लेकर आज तक हमने असम के बारपेटा और मोरीगांव ज़िलो में 2 जिहादी मॉड्यूल को पकड़ा है और इस जिहादी मॉड्यूल में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार किया है। सरमा ने आज ट्वीट कर कहा कि एक सुनियोजित ऑपरेशन में, असम पुलिस मोरीगांव जिले के एक मदरसे से चलाए जा रहे भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) समर्थित ब्लॉक के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। दो इस्लामी कट्टरपंथियों को गिरफ्तार किया गया है और घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। वहीं एक और ट्वीट में उन्होंने कहा कि निचले असम में संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के परिणामस्वरूप असम पुलिस ने बारपेटा जिले में AQIS समर्थित ABT मॉड्यूल के एक अन्य मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन उगाहने, भर्ती, प्रशिक्षण और धन संग्रह के लिए 8 लोगों को गिरफ्तार किया।

कोविन पर पोलियो, हेपेटाइटिस जैसी रूटीन वैक्सीन के लिए भी होगी बुकिंग

नई दिल्ली। कोविन पोर्टल के जरिए बच्चों के लिए पोलियो, हेपेटाइटिस और अन्य रूटीन वैक्सीन्स की बुकिंग शुरू करने की तैयारी है। कोरोना टीकाकरण अभियान की तकनीकी रीढ़ साबित हुए कोविन को लेकर इस प्रस्ताव पर केंद्र सरकार विचार कर रही है। नेशनल हेल्थ अथॉरिटी के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर डॉ. आरएस शर्मा ने एक इंटरव्यू में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बस कुछ ही महीनों के बाद कोविन पर यह प्रक्रिया शुरू जाएगी। इस टेक प्लेटफॉर्म के जरिए रूटीन वैक्सीन के स्लॉट की भी बुकिंग हो सकेगी। शर्मा ने कहा, इस पोर्टल का फिलहाल कोविड वैक्सीनेशन प्रोग्राम में इस्तेमाल हो रहा है। कोविन में इसके पुराने फीचर बने रहेंगे। इससे देश के टीकाकरण प्रोग्राम के कवरेज को ट्रैक करने में मदद मिलेगी। कोविन के जरिए रिमाइंडर्स भेजने का सिलसिला जारी रहेगा, जैसा कि यह कोविड वैक्सीन के केस में करता है। उदाहरण के तौर पर, अगर बच्चे की पोलियो वैक्सीन पेंडिंग है या जल्द ही लगने वाली है तो सिस्टम उनके पेरेंट्स को रिमाइंडर भेजेगा।

पेरेंट्स को भेजे जाएंगे रिमाइंडर-शर्मा ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के कवरेज की निगरानी में मदद करेगा। साथ ही पूरे डेटा को जुटाने का काम करेगा। उन्होंने बताया कि

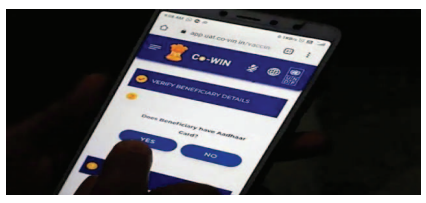

यह ड्रॉप-आउट मामलों को भी सामने लाएगा और उन्हें रिमाइंडर भेजेगा। इससे टीकाकरण कार्यक्रम के कवरेज को और बेहतर बनाने में मदद करेगी।

शर्मा ने कहा, आपके आसपास किन अस्पतालों में वैक्सीनेशन शॉट्स दी जा रही हैं, पोर्टल के जरिए इसकी जानकारी दी जाएगी। आपको अपने मोबाइल नंबर के जरिए अप्वाइंटमेंट बुक कराना होगा। यूजर्स टीकाकरण कार्यक्रम के पूरा होने के बाद डिजिटल वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट भी डाउनलोड कर सकेंगे।

पंजाब में बड़ा हादसा, बच्चों से भरी स्कूल बस को ट्रक ने मारी टक्कर

टांडा। जालंधर-पठानकोट हाईवे पर रिलायंस पेट्रोल पंप दसूहा के पास शुक्रवार को एक स्कूल बस को पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में कई बच्चे घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक हादसा सुबह करीब साढ़े 7 बजे हुआ। जब टांडा से एक निजी स्कूल की बस बच्चों को लेकर जा रही थी। इसी बीच जब बस रिलायंस पेट्रोल पंप के पास पहुंची तो जालंधर की ओर से आ रहे ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। इस बीच बस में सवार कई बच्चे घायल हो गए, जिन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जिस समय यह हादसा हुआ उस वक्त बस में करीब 12-14 बच्चे, एक ड्राइवर और एक कंडक्टर सवार थे। फिलहाल इस घटना के बाद स्कूली बच्चों के अभिभावकों में दहशत का माहौल है। फिलहाल ट्रक चालक मौके से फरार बताया जा रहा है।

कोलकाता के लिए निकला इंडिगो विमान रनवे पर फिसला, खतरे में पड़ी यात्रियों की जान, बाल-बाल बचे यात्री

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी इंडिगो का एक विमान एक बाल बाल बच गया। जरा सी चूक होती और सेकडों जिंदगिया दांव पर लग जाती । इंडिगो का विमान अचानक रनवे से फिसलकर किनारे चला गया। असम के जोरहाट हवाईअड्डे पर उड़ान भरने के दौरान इंडिगो का एक विमान रनवे से फिसल गया। एयरलाइन कंपनी इंडिगो का एक विमान एक बाल बाल बच गया। जरा सी चूक होती और सेकडों जिंदगिया दांव पर लग जाती । इंडिगो का विमान अचानक रनवे से फिसलकर किनारे चला गया। असम के जोरहाट हवाईअड्डे पर उड़ान भरने के दौरान इंडिगो का एक विमान रनवे से फिसल गया। फ्लाइट कोलकाता के लिए जा रही थी। छह घंटे की कोशिश के बावजूद, अधिकारी तकनीकी खराबी को ठीक करने में विफल रहे और अंततः उड़ान रद्द कर दी गई। इंडिगो की उड़ान 6E-757 आज दोपहर 2:20 बजे कोलकाता के लिए उड़ान भरने के लिए तैयार है, इसका निर्धारित प्रस्थान समय है। रनवे पर टैक्सी करते समय विमान के पहिए अचानक फिसल गए और रनवे के दलदल में फंस गए। यात्रा के दौरान विमान के अचानक रुकने से विमान में सवार यात्री घबरा गए। हालांकि, चालक दल जल्दी से उड़ान भरने वालों को शांत करने में लगा और यह सुनिश्चित किया कि किसी को चोट न पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि विमान में 98 यात्री सवार थे। एक घंटे के भीतर, इंडिगो ने सभी यात्रियों के सुरक्षित उतरने की व्यवस्था की, जिन्हें बाद में हवाई अड्डे के एक प्रतीक्षालय में ले जाया गया। उन्हें खाना-पीना परोसा गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब कई मध्य-हवाई और जमीनी संकटों ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए देश के विमानन नियामक को कदम उठाने के लिए मजबूर किया है।

दिल्ली से देवघर की सीधी फ्लाइट आज से, पहले सफर में 3 भोजपुरी स्टार समेत 12 सांसद भी आएंगे बाबाधाम

देवघर। देवघर से दिल्ली के लिए 30 जुलाई से सीधी उड़ान शुरू होगी। देवघर एयरपोर्ट के डायरेक्टर संदीप ढींगरा ने बताया कि शनिवार से दिल्ली से देवघर और देवघर से दिल्ली के लिए हवाई उड़ान सेवा देवघर एयरपोर्ट से शुरू हो जाएगी। उसको लेकर लगभग सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं। बताते चलें कि दिल्ली से देवघर की पहली फ्लाइट से 12 सांसदों के आने की पूरी संभावना है। उसमें भोजपुरी के तीन सुपरस्टार भी बाबानगरी पहुंचेंगे। दिल्ली से देवघर की पहली फ्लाइट की पहली टिकट स्थानीय सांसद निशिकांत दुबे ने बुक की है। सांसद निशिकांत दुबे के साथ ही इंडिगो की पहली फ्लाइट से गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे के साथ भोजपुरी फिल्मों के सुपर स्टार अभिनेता गोरखपुर सांसद रवि किशन,

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी और आजमगढ़ के सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ भी देवभूमि पहुंचेंगे।

वहीं प्रिविलेज कमेटी के चेयरमैन सांसद सुनील सिंह, सांसद प्रदेश वर्मा, रवींद्र कुशवाहा, कमलेश पासवान सहित कई अन्य सांसद भी बाबानगरी पहली फ्लाइट से पहुंच रहे हैं। जानकारी के अनुसार दिल्ली से देवघर पहली फ्लाइट लेकर पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजीव प्रताप रुढ़ी आ सकते हैं। हालांकि बताया यह भी जा रहा है कि उनकी मां की तबीयत ठीक नहीं चल रही है। अगर मां की सेहत ठीक रही तो वह खुद बतौर पायलट फ्लाइट टेकऑफ व लैंडिंग करेंगे।

सभी सांसद श्रावण मास में बाबा वैद्यनाथ का दर्शन-पूजन करेंगे। दिल्ली की पहली फ्लाइट से आने वाले सांसदों का जोरदार स्वागत बाबानगरी में करने की तैयारी भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से चल रही है। सांसदों का रोड शो भी कराया जाएगा। 31 जुलाई को सभी सांसदों की देवघर से फ्लाइट से दिल्ली वापसी होगी। कोलकाता के बाद दिल्ली की फ्लाईट शुरू होने को लेकर आमलोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। बड़े शहरों के लिए विमान सेवा जल्द शुरू कराए जाने की दिशा में पहल चल रही है। देवघर एयरपोर्ट का उद्घाटन होने के बाद से ही बाबानगरी आने और यहां से जाने वाले यात्रियों से फ्लाईट भरी रह रही है। 12 जुलाई को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों एयरपोर्ट का उद्घाटन होने के बाद इंडिगो की ओर से देवघर-कोलकाता के बीच नियमित उड़ानें शुरू करायी गयी हैं। वर्तमान समय में 78 सीटर इंडिगो फ्लाइट उड़ान भर रही है। देवघर एयरपोर्ट के डायरेक्टर की मानें तो विमान सेवा शुरू होने के बाद हर दिन फ्लाइट की पूरी सीट बुक रह रही है। कभी-कभार एक-दो सीटें कम रहती हैं। सामान्य रूप से यात्रियों की संख्या पूरी रहती है।

घर को बना दिया था मिनी बैंक, कमरे में जाने की नहीं थी इजाजत; अर्पिता ने खोले पार्थ चटर्जी के कई राज

कोलकाता। बंगाली एक्ट्रेस और मॉडल अर्पिता मुखर्जी के पास से अब तक 50 करोड़ रुपये कैश और अन्य कीमती सामग्रियां जब्त हो चुकी हैं। प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने उनकी पहचान निलंबित मंत्री पार्थ चटर्जी के सहायक के तौर पर की है। अर्पिता का कहना है कि उन्हें उनके फ्लैट के कमरों से मिले धन के बारे में जानकारी नहीं थी।

ईडी ने अर्पिता के साउथ कोलकाता के फ्लैट से 21 करोड़ रुपये जब्त किए थे, जिसके बाद उनकी और पार्थ की गिरफ्तारी हुई थी। बुधवार को एजेंसी ने बेलगारिया में उनके एक और फ्लैट पर रेड डाली जहां से 28 करोड़ रुपये बरामद हुए।

फ्लैट पर आते थे पार्थ और उनके लोग-अर्पिता

ईडी एक अधिकारी ने कहा कि अर्पिता मुखर्जी का दावा है कि उन्हें उन कमरों में जाने की इजाजत नहीं थी। पार्थ चटर्जी के आदमी यहां आते थे और पैसे रखते थे। अधिकारी ने कहा, अर्पिता मुखर्जी का दावा है कि ये पैसे पार्थ चटर्जी के हैं। पार्थ और उनके लोग फ्लैट पर आया करते थे। उन्होंने ही ये पैसे रखे होंगे। अर्पिता ने दावा कि उन्हें पैसे रखे जाने की जानकारी थी। लेकिन उन्हें यह नहीं पता था कि कितना धन है। उन्हें कमरे में जाने की इजाजत नहीं थी।

पार्थ ईडी के सवालों पर कर रहे टालमटोल

पार्थ चटर्जी जहां ईडी के सवालों पर अब तक टालमटोल करते रहे हैं, वहीं अर्पिता मुखर्जी ने पूछताछ में सहयोग किया है। उन्होंने दावा किया कि पार्थ ने उसके फ्लैटों को 'मिनी बैंक' के रूप में इस्तेमाल किया। मालूम हो कि ईडी की ओर से स्कूल भर्ती घोटाले में गिरफ्तार मंत्री पार्थ चटर्जी को पश्चिम बंगाल सरकार ने बर्खास्त कर दिया है। इसके साथ ही तृणमूल कांग्रेस ने चटर्जी को पार्टी से निलंबित करने और उन्हें सभी पदों से हटाने की घोषणा की। चटर्जी को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया गया और तृणमूल कांग्रेस से निलंबित कर दिया गया।

पालतू कुत्तों को रखने के लिए फ्लैट खरीदा-भाजपा

वहीं, भाजपा ने पार्थ चटर्जी के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि 'मां, माटी, मानुष' का नारा लगाने वाली पार्टी अब केवल पैसा, पैसा, पैसा के नारे लगाती है। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि स्कूल भर्ती घोटाला मामले में गिरफ्तार चटर्जी ने अपने पालतू कुत्तों को रखने के लिए कोलकाता में एक आलीशान फ्लैट खरीदा हुआ है।

सुविचार

स्वतंत्र वही हो सकता है जो अपना काम अपने आप कर लेता है। - विनोबा भावे

संपादकीय

ममता सरकार की दुर्दशा

(लेखक - डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

प. बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार भयंकर दुर्गति को प्राप्त हो गई है। कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था कि ममता बेनर्जी की सरकार इतने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार कर सकती है। ममता के राज में मैं जब-जब कोलकाता गया हूँ, वहां के कई पुराने उद्योगपतियों और व्यापारियों से बात करते हुए मुझे लगता था कि ममता के डर के मारे अब वे कोई गलत-सलत काम नहीं कर पा रहे होंगे लेकिन उनके उद्योग और व्यापार मंत्री पार्थ चटर्जी को पहले तो जांच निदेशालय ने गिरफ्तार किया और फिर उनके निजी सहायकों, मित्रों और रिश्तेदारों के घरों से जो नकद करोड़ों रु. की राशियां पकड़ी गई हैं, उन्हें टीवी चैनलों पर देखकर दंग रह जाना पड़ता है। अभी तो उनके कई फ्लेटों पर छापे पड़ना बाकी है। पिछले एक सप्ताह में जो भी नकदी, सोना, गहने आदि छापे में मिले हैं, उनकी कीमत 100 करोड़ रु. से भी ज्यादा का ही अनुमान है। यदि जांच निदेशालय के चंगुल में उनके कुछ अन्य मंत्री भी फंस गए तो यह राशि कई अरब तक भी पहुंच सकती है। बंगाल के मारवाड़ी व्यवसायियों का खून चूसने में ममता सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। पार्थ चटर्जी सिर्फ तीन विभागों के मंत्री ही नहीं है। उन्हें ममता बेनर्जी का उप-मुख्यमंत्री माना जाता है। इस हैसियत में ममता का सारा लेन-देन वही करते रहे हों तो कोई आश्चर्य नहीं है। वे पार्टी के महामंत्री और उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्हें बंगाल के लोग पार्टी की नाक मानते रहे हैं। इसीलिए उनकी गिरफ्तारी के छह दिन बाद तक उनके खिलाफ पार्टी ने कोई कार्रवाई नहीं की बल्कि उल्टा चोर कोतवाल को डांटता रहा। तृणमूल के नेता भाजपा सरकार पर प्रतिशोध का आरोप लगाते रहे। अब जबकि सारे देश में ममता सरकार की बदनामी होने लगी तो कुछ होश आया और पार्थ चटर्जी को मंत्रिपद तथा पार्टी की सदस्यता से बर्खास्त किया गया है। यह बर्खास्तगी नहीं, सिर्फ मुअत्तिली है, क्योंकि पार्टी प्रवक्ता कह रहे हैं कि जांच में वे खरे उतरेंगे, तब उनको उनके सारे पदों से पुनः विभूषित कर दिया जाएगा। यह मामला सिर्फ तृणमूल कांग्रेस के भ्रष्टाचार का ही नहीं है। देश की कोई भी पार्टी और कोई भी नेता यह दावा नहीं कर सकता कि वे भ्रष्टाचार-मुक्त हैं। भ्रष्टाचार के बिना याने नैतिकता और कानून का उल्लंघन किए बिना कोई भी व्यक्ति वोटों की राजनीति कर ही नहीं सकता। रूपयों का पहाड़ लगाए बिना आप चुनाव कैसे लड़ेंगे? अपने निर्वाचन-क्षेत्र के पांच लाख से 20 लाख तक के मतदाताओं को हर उम्मीदवार कैसे पटाएगा? नोट से वोट और वोट से नोट कमाना ही अपनी राजनीति का मूल मंत्र है। इसीलिए हमारे कई मुख्यमंत्री तक जेल की हवा खा चुके हैं। नोट और वोट की राजनीति विचारधारा और चरित्र की राजनीति पर हावी हो गई है। यदि हम भारतीय लोकतंत्र को स्वच्छ बनाना चाहते हैं तो राजनीति में या तो आचार्य चाणक्य या प्लेटो के 'दार्शनिक नेता' जैसे लोगों को ही प्रवेश दिया जाना चाहिए। वरना आप जिस नेता पर भी छापा डालेंगे, वह आपको कीचड़ में सना हुआ मिलेगा।

आज के कार्टून

इष्ट की उपासना

श्रीराम शर्मा आचार्य/ दिन ढल रहा था। रात और दिन फिर से बिछुड़ जाने को कुछ क्षणों के लिए एक दूसरे में विलीन हो गए थे। रम्य वनस्थली में एक पर्णकुटी में से कुछ धुआं सा उठ रहा था। कुटीर में निवास करने वाले दो ऋषि-शनक और अभिप्रतारी अपना भोजन तैयार कर रहे थे। भोजन लगभग तैयार हो चुका था तभी बाहर किसी आगन्तुक के आने का शब्द हुआ। दोनों ने जानने का प्रयत्न किया। बाहर एक युवा ब्रह्मचारी खड़ा था। ऋषि ने प्रश्न किया- 'कहो वत्स! क्या चाहिए?' युवक विनम्र वाणी में बोला-'आज प्रातः से अभी तक मुझे कुछ भी प्राप्त नहीं हो सका है। यदि कुछ भोजन मिल जाता, तो बड़ी दया होती।' कुटीर निवासी कहने को वनवासी थे, हृदय उनका सामान्य गृहस्थों से भी कहीं अधिक संकीर्ण था। सो रूखे स्वर में कहा- 'भाई तुम किसी गृहस्थ का घर देखो। हम तो वनवासी हैं।' ब्रह्मचारी को बड़ी ही निराशा हुई। यद्यपि वह अभी ज्ञानार्जन कर ही रहा था-तथापि कर्त्तव्य-अकर्त्तव्य का व्यावहारिक बोध था उसे। निराश इस बात से नहीं था वह कि उसे भोजन प्राप्त नहीं हो सका था। तब चुपचाप चले जाने की अपेक्षा उस युवक ने यही उचित समझा कि इन अज्ञान में डूबे ज्ञानियों को इनकी भूल का बोध करा ही देना चाहिए। उसने पुनः उनको पुकारा। झुंझलाते हुए शनक और अभिप्रतारी बाहर आए। तब युवक बोला-'क्या मैं यह जान सकता हूं कि आप किस देवता की उपासना करते हैं?' उन ऋषियों को तनिक क्रोध आ गया। झुंझलाहट में कहा-'तुम बड़े असभ्य मालूम होते हो। अस्तु! हमारा इष्टदेव वायु है, जिसे प्राण भी कहते हैं।' अब वह ब्रह्मचारी बोला- 'तब तो आप अवश्य ही यह जानते होंगे कि यह प्राण समस्त सृष्टि में व्यापक है। जड़-चेतन सभी में।' ऋषि बोले- 'क्यों नहीं! यह तो हम भली-भांति जानते हैं।' अब युवक ने प्रश्न किया- 'क्या मैं यह जान सकता हूं कि यह भोजन आपने किसके निमित्त तैयार किया है?' ऋषि अब बड़े गर्व से बोले- 'हमारा प्रत्येक कार्य अपने उपास्य को समर्पित होता है।' ब्रह्मचारी ने मन्द स्मिति के साथ कहा-'यदि प्राण तत्व इस समस्त संसार में व्याप्त है, तो वह मुझमें भी है। आप यह मानते हैं?' ऋषि को अब ऐसा बोध हो रहा था कि अनजाने ही वे इस युवा के समक्ष हारते चले जा रहे हैं। तली में जैसे छेद हो जाने पर नाव पल-पल अतल गहराई में डूबती ही जाती है युवक की वाणी में उनका अहं और अज्ञान वैसे ही धंसता चला जा रहा था।

म्यांमार में दमन के खिलाफ विश्व जनमत

पुष्परंजन

इरावदी म्यांमार का प्रमुख अखबार है। बुधवार को अखबार ने लीड ख़बर बनाते हुए सैन्य शासन के प्रवक्ता जनरल जॉव मिन तुन का बयान प्रकाशित किया है कि जिन कैदियों को मौत की सज़ा दी गई है, उन्हें एक बार नहीं, कई बार फांसी दी जानी चाहिए थी। इस बयान से पहले मंगलवार को म्यांमार विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अमेरिका और ब्रिटेन की आलोचना का प्रतिकार करते हुए कहा था कि ये देश और संगठन हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहे हैं। मतलब, म्यांमार का मिलिट्री जंटा यह चाह रहा है कि वो अपने देश में चाहे जो कुछ करे, दुनिया मूकदर्शक होकर देखती रहे। मिलिट्री जंटा इतना ढीठ क्या चीनी शह की वजह से है? मृत्युदंड पाने वाले चार लोगों में से एक खो फ्यो ज़ेया थाओ नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) के कार्यकर्ता हैं। उन पर आरोप है कि सेना की टुकड़ी पर कई बार हमले कर चुके हैं। यांगून आ रही एक पैसेंजर ट्रेन में पांच पुलिसवालों को गोलियों से उड़ा देने में उनका हाथ रहा था। खो फ्यो को नवंबर, 2021 में गिरफ्तार किया गया था। जनवरी, 2022 में आतंक निरोधक क़ानून के तहत खो फ्यो ज़ेया थाओ को मौत की सज़ा सुनाई गई। मिलिट्री अदालत ने हिप-हॉप स्टार से 'एनएलडी' सांसद बने खो जिमी (खो ख्याऊ मिन यू) को सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट के अपराध में सज़ा-ए-मौत दी है। बाकी दो लोगों को फांसी की सज़ा एक मिलिट्री मुखबिर को मार डालने की वजह से सुनाई गई है। सैन्य अदालत से अब तक 118 लोगों को सजा-ए-मौत मिल चुकी है। उससे अलग पुलिस व सेना द्वारा मारे गये लोगों की बड़ी तादाद है। थाइलैंड के माए सोत स्थित 'असिस्टेंस एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिज़नर्स' ने एक सूची जारी कर जानकारी दी है कि तख्ता पलट के बाद से 1929 लोगों को सैन्य शासन ने मारा है, 11 हज़ार 4 लोग नज़रबंद हैं। 1 फरवरी, 2021 को मिलिट्री जंटा के प्रमुख जनरल मिन आंग हिलेंग ने जब लोकतांत्रिक रूप से चुनी सरकार को भंग किया था, उसके कुछ घंटों बाद उन्होंने अहद किया था कि साल भर में नई पार्टी और सरकार का गठन अपनी देखरेख में कराएंगे। मगर, हुआ उलट। इस प्रकरण में आसियान बुरा फंसा हुआ है। म्यांमार न उसे उगलते बन रहा है, न निगलते। इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, थाइलैंड, फिलीपींस, कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, वियतनाम, ब्रुनेई जैसे दस देशों का संगठन है 'आसियान'। आसियान के चार्टर में है कि दसों में किसी सदस्य देश पर मुसीबत आती है, तो उसका मिलकर मुकाबला करेंगे और किसी बाहरी देश का दखल नहीं होने देंगे। कंबोडिया 'आसियान' का वर्तमान अध्यक्ष देश है। मुश्किल यह है कि सिंगापुर चार महीने के भीतर ड्रग तस्करी के अपराध में पांचवें व्यक्ति को मृत्युदंड दे चुका है। ऐसे में आसियान, म्यांमार में मृत्युदंड को मुद्दा बनाये कैसे? सच पूछिये तो आसियान लीडरशिप किंकर्तव्यविमूढ़ है। मलेशिया के विदेश मंत्री सैफुद्दीन अब्दुल्ला ने बयान जारी कर कहा कि म्यांमार की सैन्य अदालत ने जो फैसला सुनाया है, वह मानवता के विरुद्ध है। थाइलैंड में इसका व्यापक विरोध देखा जा रहा है। बैंकाक में म्यांमार दूतावास के समक्ष दो दिनों से लगातार प्रदर्शन हुए हैं। जकार्ता में 24 अप्रैल, 2021 को आसियान शिखर बैठक हुई थी, जिसमें नौ देशों के शासन प्रमुख और म्यांमार के सैन्य शासक जनरल मिन आंग हिलेंग उपस्थित थे। उस बैठक में म्यांमार ने पांच सूत्री कार्यक्रम में सहमति दी थी। इन पांच बिंदुओं में म्यांमार में हिंसक टकराव पर तत्काल रोक, सभी पार्टियों से संवाद, आसियान द्वारा मानवीय सहयोग, इनके विशेष दूत सभी दलों के लोगों से मिलें, जैसी बातें थीं। जकार्ता बैठक के सवा साल गुज़र गये, जनरल मिन आंग हिलेंग ने पांच बिंदुओं पर कितना अमल किया, उसे लेकर आसियान सदस्यों में निराशा है। ऐसे में बहुत हद तक संभव है कि म्यांमार स्वयं आसियान छोड़ दे, अथवा उसे संगठन से निलंबित करने का फरमान जारी हो। पिछले साल भारत समेत आठ देशों ने जिस दिन म्यांमार की सैन्य परेड में भाग लिया था, उस दिन सौ लोग मारे गये थे। तब सवाल उठने लगे थे कि क्या भारत प्रतिरोध को कुचल देने वाले सैन्य तानाशाहों का समर्थक है? भारत दूसरी बार भी चुप वाली रणनीति पर चल रहा है। चार लोगों को मृत्युदंड सुनाये जाने के विरुद्ध भारत की ओर से बुधवार तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। पिछले साल भी हम म्यांमार में स्थितियों की 'समीक्षा' करते रहे। जब दुनिया के बड़े देश म्यांमार में दमन के विरुद्ध बयान जारी कर चुके, फिर भारत ने लजाते-शर्माते 1 फरवरी, 2021 को आधिकारिक वक्तव्य जारी करते हुए कहा था, 'म्यांमार की स्थिति को हम मॉनिटर कर रहे हैं। उसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया और क़ानून के शासन को बनाये रखना चाहिए।' म्यांमार-भारत की 1643 किलोमीटर सीमा मणिपुर, मिजोरम से लगी है। जब से सैन्य शासन लगा है, म्यांमार से पलायन कर हमारी तरफ कितने

लोग आये? गृह मंत्रालय इस प्रश्न पर चुप है। 18 मार्च, 2021 को मिज़ोरम के मुख्यमंत्री जोरामथांगा ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर सतर्क किया था कि सीमा पर जो कुछ हो रहा है, उससे हम आंखें मूंद नहीं सकते। 20 मार्च, 2021 को मिजोरम से राज्यसभा सांसद के वनलालवेना ने जानकारी दी कि म्यांमार से भाग कर आये शरणार्थियों की संख्या हज़ार से अधिक है। तख्ता पलट के बाद मिजोरम की तरह मणिपुर में भी हज़ारों की तादाद में शरणार्थी आ चुके थे। उन दिनों राज्य शासन ने ज़िले के कलक्टरों को जो निर्देश जारी किये थे, उससे इसकी पुष्टि होती है। जो बात दिल्ली में ज़ेरे बहस नहीं होती, वो ये कि सीमा पर लापरवाही के कारण साल भर में ही यह संख्या 20 से 30 गुना बढ़ चुकी है। 12 अप्रैल, 2022 को ख़बर आई कि मिज़ोरम सरकार ने म्यांमार से आये 22 हज़ार शरणार्थियों को पहचान पत्र जारी किया है। मिजोरम की 510 किलोमीटर सीमा का जब ये हाल है, तो मणिपुर की सीमा उससे दो गुनी से अधिक है, जो म्यांमार से लगी है। आप मानकर चलिये कि मणिपुर और मिज़ोरम, दोनों राज्यों में म्यांमार से भागकर आये शरणार्थियों की संख्या लाख से कम नहीं होगी। क्या इन्हें आबोदाना-आशियाना मुहैया कराना भारत के करदाताओं पर अतिरिक्त बोझ नहीं है? भारत सरकार को चाहिए था कि इस समस्या से म्यांमार के सैन्य शासकों को अवगत कराये। कल को यही शरणार्थी हमारे लिए रोहिंग्या की तरह सिरदर्द होंगे। ये आते लाखों में हैं, मगर इनकी वापसी सैकड़ों में होती है।

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

बिना विकल्प दिये प्रतिबंध का प्रयास अधूरा

पॉलिथीन संकट/ पंकज चतुर्वेदी

इस एक जुलाई से देश में एक बार इस्तेमाल होने वाली पॉलिथीन के साथ कुल 19 ऐसी वस्तुओं पर पाबंदी लगाई गई जिनका कचरा इस धरती के अस्तित्व के लिए खतरा बन रहा है। इस बाबत चालान और नगद जुर्माना हो रहा है लेकिन न इनका इस्तेमाल कम हुआ और न ही उत्पादन। बस, बाज़ार में इसे चोरी-छुपे लाने के नाम पर दाम जरूर बढ़ गए। इससे पहले सितंबर-2019 में प्रधानमंत्री ने अपने 'मन की बात में' पॉलिथीन व प्लास्टिक से देश को मुक्त करने का आह्वान किया था। मध्य प्रदेश सरकार इससे पहले ही पन्नी मुक्त प्रदेश की घोषणा कर चुकी थी। देश के कई नगरीय क्षेत्रों में इस तरह के अभियान चलते रहे, लोग भी मानते हैं कि पॉलिथीन थैली नुकसानदेह है लेकिन अगले ही पल कोई मजबूरी जता कर उसे हाथ में लेकर चल देते हैं। इन दिनों देश का हर शहर बरसात का पानी मोहल्ला-सड़क पर भरने से परेशान है। कहा जाता है कि ड्रेनेज खराब है। इसका बड़ा कारण पूरे मल-जल प्रणाली में पॉलिथीन का अंबार होना है। कच्चे तेल के परिशोधन से मिलने वाले डीजल, पेट्रोल आदि के साथ ही पॉलिथीन बनाने का मसाला भी पेट्रो उत्पाद ही है। यह इंसान और जानवर दोनों के लिए जानलेवा है। घटिया पॉलिथीन का प्रयोग सांस और त्वचा संबंधी रोगों तथा कैंसर का खतरा बढ़ाता है। पॉलिथीन की थैलियां नष्ट नहीं होती हैं और धरती की उपजाऊ क्षमता को नष्ट कर इसे जहरीला बना रही हैं। साथ ही मिट्टी में इनके दबे रहने के कारण मिट्टी की पानी सोखने की क्षमता भी कम होती जा रही है। पॉलिथीन खाने से गायों व अन्य जानवरों के मरने की घटनाएं तो अब आम हो गई हैं। फिर भी बाजार से सब्जी लाना हो या पैक दूध या फिर किरयाना या कपड़े, पॉलिथीन के प्रति लोभ न तो दुकानदार छोड़ पा रहे हैं व न ही खरीदार। शहरों की सुंदरता पर इससे ग्रहण लग रहा है। यह भी सच है कि पॉलिथीन बीते दो दशक के दौरान बीस लाख से ज्यादा लोगों के जीविकोपार्जन का जरिया बन चुका है जो कि इसके उत्पादन, व्यवसाय, पुरानी पन्नी एकत्र करने व उसे कबाड़ी को बेचने जैसे काम में लगे हैं। वहीं पॉलिथीन के विकल्प के रूप में जो सिंथेटिक थैले बाजार में लाये गए हैं, वे एक तो महंगे हैं, दूसरे कमजोर और तीसरे वे भी प्राकृतिक या घुलनशील सामग्री से नहीं बने हैं और उनके भी कई विषम प्रभाव हैं। यदि वास्तव में बाजार से पॉलिथीन का विकल्प तलाशना है तो पुराने कपड़े के थैले बनवाना एकमात्र विकल्प है। इससे कई लोगों को विकल्प मिलता है- पॉलिथीन निर्माण की छोटी-छोटी इकाई लगाए लोगों को कपड़े के थैले बनाने का, उसके व्यापार में लगे लोगों को उसे दुकानदार तक पहुंचाने का और आम लोगों को सामान लाने-ले जाने का भी। यह सच है कि जिस तरह पॉलिथीन की मांग है उतनी कपड़े के थैले की नहीं होगी, क्योंकि थैला कई-कई बार इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन कपड़े के थैले की कीमत भी उसी तरह पॉलिथीन के मानिंद तेज नहीं होगी। सबसे बड़ी दिक्कत है दूध, जूस, बनी हुई करी वाली सब्जी आदि के व्यापार की। इसके लिए एल्यूमीनियम या अन्य मिश्रित धातु के खाद्य-पदार्थ के लिए माकूल कंटेनर बनाए जा सकते हैं। सबसे बड़ी बात घर से बर्तन ले जाने की आदत फिर से लौट आए तो खाने का स्वाद, उसकी गुणवत्ता, दोनों ही बनी रहेंगी। कहने की जरूरत नहीं है कि पॉलिथीन में पैक दूध या गर्म करी उसके जहर को भी आपके पेट तक पहुंचाती है। प्लास्टिक से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए बायोप्लास्टिक को बढ़ावा देना चाहिए। बायोप्लास्टिक चीनी, चुकंदर, भुट्टा जैसे जैविक रूप से अपघटित होने वाले पदार्थों के इस्तेमाल से बनाई जाती है। हो सकता है कि शुरुआत में कुछ साल पन्नी की जगह कपड़े के थैले व अन्य विकल्प के लिए कुछ सब्सिडी दी जाए तो लोग अपनी आदत बदलने को तैयार हो जाएंगे। सनद रहे कि 40 माइक्रोन से कम पतली पन्नी सबसे ज्यादा खतरनाक होती है। सरकारी अमलों को ऐसी पॉलिथीन का उत्पादन करने वाले कारखानों को ही बंद करवाना पड़ेगा। वहीं प्लास्टिक कचरा बीन कर पेट पालने वालों के लिए विकल्प के तौर पर बंगलुरू के प्रयोग पर विचार कर सकते हैं, जहां लावारिस फेंकी गई पन्नियों को अन्य कचरे के साथ ट्रीटमेंट करके खाद बनाई जा रही है। हिमाचल प्रदेश में ऐसी पन्नियों को डामर के साथ गला कर सड़क बनाने का काम चल रहा है। केरल के कन्नूर में प्रशासन से ज्यादा समाज के अन्य वर्ग को साथ लिया गया। बाजार, रेस्तरां, स्कूल, एनजीओ, राजनीतिक दल आदि एकजुट हुए। पूरे जिले को छोटे-छोटे कलस्टर में बांटा गया, फिर समाज के हर वर्ग, खासकर बच्चों ने इंच-इंच भूमि से प्लास्टिक का एक-एक कतरा बीना, उसे ठीक से पैक किया गया और नगर निकायों ने उसे ठिकाने लगाने की जिम्मेदारी निभाई। इसके साथ ही जिले में हर तरह की पॉलिथीन थैली, डिस्पोजेबल बर्तन व अन्य प्लास्टिक पैकिंग पर पूर्ण पाबंदी लगा दी गई। कन्नूर के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी के छात्रों ने इवीनाबु बुनकर सहकारी समिति और कल्लेतेरे औद्योगिक बुनकर सहकारी समिति के साथ मिल कर बहुत कम दाम पर बेहद आकर्षक व टिकाऊ थैले बाजार में पहुंचा दिए। खाने-पीने वाले होटलों ने खाना पैक करवा कर ले जाने वालों को घर से टिफिन लाने पर छूट देना शुरू कर दिया और घर पर सप्लाई भी अब स्टील के बर्तनों में की जा रही है जो कि ग्राहक के घर जा कर खाली कर लिए जाते हैं। वहां यह पन्नी मुक्त जिले का चौथा साल है। सिक्किम में पहले लाचेन गांव ने सीलबंद पानी की बोतलों से लेकर डिस्पोजेबल बर्तन पर रोक लगाई, फिर पूरे राज्य में इस तरह की पाबन्दी जनवरी-22 से लागू है। वहां पानी की प्लास्टिक की बोतल के विकल्प में बांस और मिट्टी की बोतलें बहुत लोकप्रिय हुई हैं। जर्मनी में प्लास्टिक के कचरे से बिजली का निर्माण भी किया जा रहा है। विकल्प तो और भी बहुत कुछ हैं, बस जरूरत है तो एक नियोजित दूरगामी योजना और उसके क्रियान्वयन के लिए जबरदस्त इच्छाशक्ति की।

सू-दोकू नवताल -2177

	9	4		3	6			7
8	7		1		5			
		2				3		4
	6		9		2			5
3								9
2			6		3		1	
7		6				8		
			5		8		7	3
9			7	2		5	6	

सू-दोकू -2176 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2177

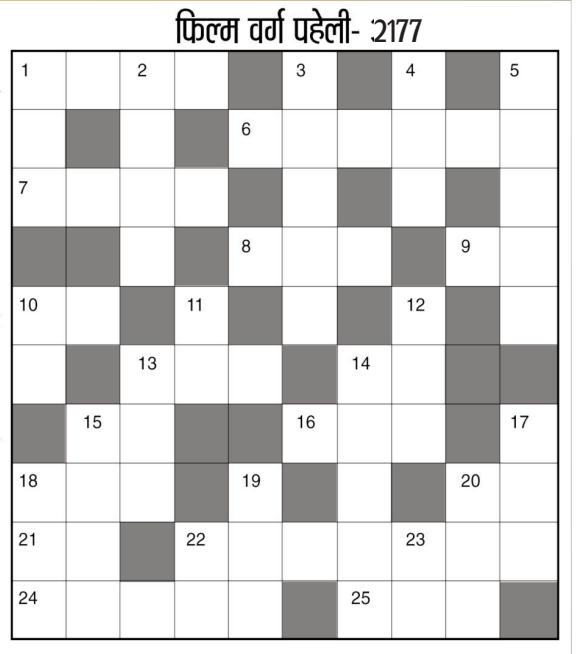

बायें से दायें:-

1. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका चोपड़ा की 'आंखें बंद करके' गीत वाली फिल्म-4
6. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ बच्चन, लक्ष्मी छाया की फिल्म-2,1,3
7. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'इस से पहले कि याद तू आए' गीत वाली फिल्म-4
8. 'अब तेरे दिल में आ गए हम' गीत वाली अक्षय कुमार, माधुरी दीक्षित की फिल्म-3
9. गुरु दत्त, वहीदा रहमान की 'जाने वो कैसे लोग थे जिनके प्यार को प्यार मिला' गीत वाली फिल्म-2
10. 'अगर मैं कहूं' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की फिल्म-2
13. फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की 'तेरे चेहरे में वो जादू है तेरी ओर खिंचा आता हूं' गीत वाली फिल्म-3
14. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-2
15. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-2
16. 'शबनम का ये कतरा है' गीत वाली राजकुमार, शत्रुघ्न सिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-3
18. प्रदीप कुमार, मीना कुमारी की 'कभी तो मिलेगी कहीं तो मिलेगी बहारों की मंजिल' गीत वाली फिल्म-3
20. 'ओढ़ के अंधेरा मैं जो' गीत वाली नसीरुद्दीन शाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-2
21. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी ?-2
22. जॉय मुखर्जी, सायरा बानो की 'दिल की महफिल सजी है चले आइये' गीत वाली फिल्म-2,2,3
24. 'पिघलता हुआ' गीत वाली आरिफजकारिया, शाहबाज, किरण खेर, तब्बू, रीता गांगुली की फिल्म-5
25. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे ये बात किसी से मत कहना' गीत वाली फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-2176

वि	द्या	बा	ल	न		आ	शि	क	
वा		द		ज	मी	न		शि	वा
ह	मे	शा		र	ना		जो	श	
		ह	सी	ना		का	शी		डॉ
इ	श्क		मा		ना		ले	कि	न
श्क		शै		श	र	बी		ला	
वि	धा	ता		बा	ज		फि		आ
श्क		न	का	ब		ना	जा	य	ज
	फ		ल		दा	दा		हू	
टा	र्ज	न		सं	ता	न		दी	पा

ऊपर से नीचे:-

1. 'बेचैन मेरा दिल है' गीत वाली मिथुन, जॉन अब्राहम, अर्जुन रामपाल, राहुल खन्ना, मनीषा, लारा दत्ता की फिल्म-3
2. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की 'शहरों की गलियों में जब अंधेरा' गीत वाली फिल्म-2,2
3. 'ये वक्त ना खो जाये' गीत वाली जीतेंद्र, रेखा, शबाना आजमी की फिल्म-2,2,1
4. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी तो जमीं पर आ' गीत वाली फिल्म-3
5. 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-2,1,2
10. सलमान खान, स्नेहा उल्लाल की 'आके भर लो बाजुओं में' गीत वाली फिल्म-2
11. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ श्रीदेवी, पूनम ढिल्लो की फिल्म-2
12. गोविंदा, करिश्मा कपूर की 'सिलसिला शुरू हुआ यहां से वहां तक' गीत वाली फिल्म-3
13. 'खुदा भी आसमां से जब जमीं पर देखता होगा' गीत वाली राजेंद्र कुमार, वहीदा की फिल्म-3
14. जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली फिल्म-2,3
15. गोविंदा, आदित्य पंचोली, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-4
17. 'देखो मेरा दिल मचल गया' गीत वाली राजेंद्र कुमार, वैजयंती माला की फिल्म-3
18. अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-3
19. 'मेरा दिल भी कितना पागल है' गीत वाली संजय दत्त, सलमान खान, माधुरी की फिल्म-3
20. संजीव कुमार, शशि कपूर, वहीदा रहमान, पूनम ढिल्लो की फिल्म-3
22. 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-2
23. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-2

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेबी ने ईटीएफ में लेनदेन नियमों के क्रियान्वयन के लिए समय दिया

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने संपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) को एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेशकों को सीधे लेन-देन की सुविधा देने से जुड़े नियमों के क्रियान्वयन के लिये एक नवंबर तक का समय दिया है। सेबी के परिपत्र के अनुसार नियमों के क्रियान्वयन के लिए कुछ चुनौतियों को लेकर संबंधित पक्षों से प्रतिक्रिया मिली थी। उसी पर विचार करते हुए नियम एक नवंबर से लागू करने का निर्णय किया गया है।

केपीटीएल और अनुषंगियों को 1,842 करोड़ के ऑर्डर मिले

नई दिल्ली । कल्पतरु पॉवर ट्रांसमिशन लिमिटेड (केपीटीएल) और इसकी अनुषंगियों को 1,842 करोड़ रुपए के नए ऑर्डर मिले हैं। ऊर्जा एवं अवसंरचना क्षेत्र की कंपनी केपीटीएल ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। उसने बताया कि ये ऑर्डर मेट्रो रेल विद्युतीकरण, समग्र रेलवे परियोजना, भवन और कारखाने (बीएंडएफ) परियोजनाओं और भारत में पारेषण एवं वितरण (टीएंडडी) व्यवसाय के लिए हैं। इसके अलावा कंपनी को पारेषण एवं वितरण क्षेत्र की अन्य देशों की परियोजनाएं भी मिली हैं। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इन नए ऑर्डर के साथ हम मेट्रो रेल विद्युतीकरण जैसे उच्च वृद्धि वाले अवसंरचना क्षेत्र में शुरुआत कर रहे हैं।

आटा, मैदा और रवा में 400 रुपये क्विंटल की तेजी

इंदौर । गेहूं के भाव में लगातार तेजी होने से इसका असर फ्लोर मिल कर उत्पाद पर भी पढ़ने लगा है। पिछले एक माह में आटा, मैदा और रवा के रेट में लगभग 400 रुपया क्विंटल की तेजी आई है। इसके कारण अब बिस्कुट, पाव, ब्रेड और फ्लोर मिल उत्पाद से बनने वाले सभी उत्पाद काफी महंगे होंगे। बाजार में व्याप्त चर्चाओं के अनुसार सरकार 15 से 20 लाख टन फ्लोर मिल के उत्पाद के निर्यात की अनुमति सरकार दे सकती है। इस चर्चा के बाद बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है।कहा जा रहा है कि दीपावली तक 2000 रुपया प्रति क्विंटल तक की तेजी फ्लोर मिल के उत्पाद पर आएगी।

गुजरात सरकार ने सेमीकंडक्टर नीति की घोषणा की

अहमदाबाद । गुजरात सरकार ने सेमीकंडक्टर नीति की घोषणा कर दी है। नई नीति के तहत राज्य सरकार प्रोत्साहन एवं सब्सिडी की पेशकश कर रही है। गुजरात के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जीतू वघानी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात सेमीकंडक्टर नीति का अनावरण किया, जो 2027 तक लागू रहेगी। इस नीति के तहत राज्य सरकार अहमदाबाद के पास धोलेरा सेमीकॉन सिटी स्थापित करेगी। यहां पात्र परियोजनाओं को विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए सब्सिडी दी जाएगी। मंत्री ने दावा किया कि गुजरात अब सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले उत्पादन क्षेत्र के लिए एक समर्पित नीति बनाने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इस नीति को केंद्र के भारत सेमीकंडक्टर मिशन के अनुसार तैयार किया गया है। हमें उम्मीद है कि हमारी नीति से राज्य में अगले पांच वर्षों के दौरान सेमीकंडक्टर क्षेत्र में दो लाख नई नौकरियां पैदा होंगी। नीति के तहत राज्य सरकार अहमदाबाद के पास धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र में धोलेरा सेमीकॉन सिटी की स्थापना करेगी। पात्र परियोजनाओं को विनिर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए 200 एकड़ भूमि की खरीद पर 75 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी। इसके अलावा उन्हें रियायती दरों पर बिजली-पानी उपलब्ध कराने संबंधी प्रोत्साहन भी दिए जाएंगे।

महिंद्रा थार नए अवतार में होगी पेश

-मारुति जिम्नी और फोर्स गुरखा को देगी टक्कर

नई दिल्ली । महिंद्रा कंपनी पांच दरवाजों के साथ थार को बाजार में उतारेगी। इसके 5 डोर वर्जन के लॉन्च होने के बाद इसकी लोकप्रियता में और इजाफा होगा। नया महिंद्रा थार 5-डोर मॉडल नई स्कॉर्पियो-एन के प्लेटफॉर्म पर बेस्ड होगा। इसके जनवरी में 2023 ऑटो एक्सपो में थार 5-डोर मॉडल को पेश किए जाने की उम्मीद है। महिंद्रा थार 5 डोर वर्जन के बाजार में दस्तक देने के बाद इसकी टक्कर मारुति जिम्नी और फोर्स गुरखा से होगी। इन तीनों गाड़ियों का 5 डोर वर्जन 2023 में लॉन्च हो सकता है। महिंद्रा थार 5 डोर में 2.0 लीटर एम स्टालीयन टर्बो पेट्रोल और 2.2 लीटर एमहॉक टर्बो डीजल इंजन दिया जाएगा और जो क्रमशः 152 बीएचपी की पावर 320 न्यूटन मीटर टॉर्क के साथ ही 132 बीएचपी की पावर और 320 न्यूटन मीटर टॉर्क जेनरेट करेंगे। इसकी कीमत 13.53 लाख रुपये से शुरू होकर टॉप मॉडल के लिए 16.03 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।महिंद्रा थार 5 डोर में 6 स्पीड मैनुअल और 6 स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन देखने को मिल सकते हैं साथ ही इसमें 4गुना4 ड्राइवट्रेन भी होगा।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

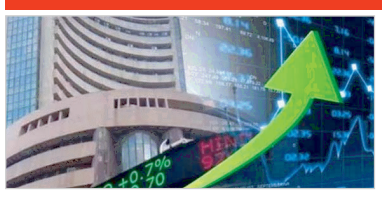

सेंसेक्स 712 , निफ्टी 228 अंक उछला

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार में शुक्रवार को भारी उछाल आया। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में यह तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लिमिटेड के शेयरों में हुई जमकर खरीददारी से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 712.46 अंक करीब 1.25 फीसदी ऊपर आकर 57,570.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 761.48 अंक तक उछला था। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 228.65 अंक तकरीबन 1.35 फीसदी की तेजी के साथ ही 17,158.25 अंक पर पहुंच गया। इससे पहले गत दिवस भी बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फाइनेंस, विप्रो और एचडीएफसी के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर डॉ रेड्डीज, कोटक महिंद्रा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी और एक्सिस बैंक के शेयर गिरे हैं। शामिल हैं। बाजार जानकारों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी रुकने से बाजार में खरीदारी को बल मिला है। इसके साथ ही वित्तीय क्षेत्र का प्रदर्शन बेहतर रहने से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। पहली तिमाही के वित्तीय परिणामों का भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी ऊपर आया जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग गिरा है। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में बढ़त रही । इसके साथ ही अमेरिकी बाजार भी लाभ में रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं और ये 109.2 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है।

भारत में एप्पल को 83 अरब डॉलर का राजस्व मिला

न्यूयॉर्क । प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एप्पल का जून तिमाही में भारत में राजस्व लगभग दोगुना हो गया है। इससे पहले कंपनी ने बताया था कि जून 2022 में खत्म तिमाही में उसका राजस्व 83 अरब डॉलर रहा है। एप्पल ने वित्त वर्ष 2021-22 में 25 जून को खत्म तीसरी तिमाही के वित्तीय नतीजों की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि उसे 83 अरब डॉलर का राजस्व मिला है जो सालाना आधार पर दो फीसदी अधिक है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी टिम कुक ने कहा कि यह राजस्व उनकी उम्मीदों से अधिक है क्योंकि आपूर्ति श्रृंखला में अवरोध तथा रूस में कारोबार पर प्रभाव जैसी कई चुनौतियां थीं। कुक ने कहा कि अमेरिका, यूरोप और बाकी के एशिया प्रशांत क्षेत्र में जून तिमाही के शानदार नतीजे आए हैं। विकसित और उभरते बाजारों में जून तिमाही के अच्छे नतीजे रहे हैं जिनमें ब्राजील, इंडोनेशिया और वियतनाम में दहाई अंकों की मजबूत वृद्धि दर्ज की और भारत में राजस्व लगभग दोगुना हो गया है। एप्पल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि उद्यम बाजार में एप्पल के उपभोक्ता कंपनी के उत्पादों में लगातार निवेश बढ़ा रहे हैं, यह प्रतिभाओं को आकर्षित करने और अपने साथ बनाए रखने की उनकी रणनीति है। उन्होंने भारत की बहुराष्ट्रीय कंपनी विप्रो का उदाहरण दिया और उसे एक और बड़ा वैश्विक उद्यम उपभोक्ता बताया। उन्होंने कहा कि विप्रो एम1 के साथ मैकबुक एयर में निवेश कर रही है। इन नए ऑर्डर के साथ चालू वर्ष में कंपनी को कुल 8,000 करोड़ रुपए तक के ऑर्डर मिल चुके हैं।

आरबीआई ने डिजिटल कंपनियों को लाइसेंस देने की तारीख बढ़ाई

- मार्च 2023 तक करना होगा 25 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पैसे का लेन-देन करने वाली डिजिटल कंपनियों (पेमेंट एग्रीगेटर्स) को राहत देते हुए उनके लिए लाइसेंस की अनिवार्यता हासिल करने की समय सीमा बढ़ा दी है। ये पेमेंट एग्रीगेटर्स अब 30 सितंबर तक लाइसेंस के लिए केंद्रीय बैंक में आवेदन कर सकते हैं। केंद्रीय बैंक ने यह भी शर्त रखी है कि 31 मार्च, 2022 तक पेमेंट एग्रीगेटर्स की न्यूनतम नेटवर्थ 15 करोड़ रुपए होनी चाहिए। ये वही पेमेंट एग्रीगेटर्स हैं, जो पूर्व में न्यूनतम मूल्य मानदंडों को पूरा करने में विफल रहे थे और उनका आवेदन खारिज कर दिया गया था।

आरबीआई ने कहा है कि कोविड -19 महामारी के कारण हुए व्यवधान को ध्यान में रखते हुए और पेमेंट इको सिस्टम के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए 17 मार्च, 2020 तक मौजूदा ऐसे सभी पीए को आरबीआइ में आवेदन करने के लिए एक और मौका देने का निर्णय लिया गया है। ऐसे पेमेंट एग्रीगेटर्स को जब तक आरबीआई से कोई सूचना नहीं मिलती, तब तक वे अपना संचालन जारी रख सकते हैं। हालांकि 25 करोड़ रुपये की शुद्ध संपत्ति हासिल करने के लिए 31 मार्च, 2023 की समय सीमा बनी रहेगी।

हाल ही में केंद्रीय बैंक ने भुगतान एग्रीगेटर के रूप में काम करने के लिए बेंगलुरु स्थित इनोविटी पेमेंट्स को सैद्धांतिक मंजूरी दी। अन्य भुगतान प्रदाताओं जैसे रेजर-पे, पाइन लैब्स, स्ट्राइप, 1पे को भी आरबीआई से मंजूरी मिली है। आरबीआइ के दिशानिर्देशों में कहा गया है कि मार्च 2021 तक पेमेंट एग्रीगेटर्स की नेटवर्थ 15 करोड़ रुपए होनी चाहिए, जबकि मार्च 2023 तक उसकी नेटवर्थ 25 करोड़ रुपए होनी चाहिए और उसके बाद उन्हें हर समय 25 करोड़ रुपए की नेटवर्थ बनाए रखनी होगी। 2020 में आरबीआई ने दिशा-निर्देश जारी किए थे, जिसमें कहा गया था कि केवल नियामक द्वारा अनुमोदित फर्म ही भुगतान सेवाओं का अधिग्रहण और पेशकश कर सकती हैं। इसके बाद आरबीआई को करीब 180 आवेदन किए गए थे।

अमेरिका में लगातार दूसरी तिमाही में जीडीपी में आई गिरावट

वॉशिंगटन ।

अमेरिका में लगातार दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था में गिरावट आई है। इससे देश में मंदी की आशंका और गहरा गई है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में चालू वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान सालाना आधार पर 0.9 प्रतिशत की गिरावट आई। यह लगातार दूसरी तिमाही है जब आर्थिक वृद्धि दर घटी है। वाणिज्य मंत्रालय के जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार इससे पहले जनवरी-मार्च तिमाही में जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) में 1.6 प्रतिशत की गिरावट आई थी। लगातार दो तिमाहियों में जीडीपी में गिरावट मंदी का संकेत है। हालांकि, आंकड़ा अभी स्थाई नहीं है, इसमें बदलाव हो सकता है। अभी इसे दो बार रिवाइज किया जाएगा। पिछले साल दूसरी तिमाही में देश की इकॉनमी 6.7 फीसदी की दर से बढ़ी थी। जीडीपी में गिरावट का आंकड़ा ऐसे समय जारी किया गया है, जब बढ़ती महंगाई और कर्ज की ऊंची लागत के कारण उपभोक्ता तथा कंपनियां प्रभावित हैं। अर्थव्यवस्था में लगातार दो तिमाहियों में गिरावट को मंदी कहा जाता है। इससे पहले अमेरिकी अर्थव्यवस्था में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 1.6 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सप्लाई चेन की समस्याओं, कमोडिटीज की कीमत और लेबर कॉस्ट में तेजी और लेबर तथा तेल की बढ़ती कीमत के कारण अमेरिका में महंगाई चार दशक के चरम पर है। इससे देश में मंदी की आशंका जोर पकड़ रही है। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अगर वह मंदी की चपेट में आती है तो इसका असर पूरी दुनिया पर देखने को मिल सकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व (केंद्रीय बैंक) ने बुधवार को लगातार दूसरी बार नीतिगत दर में 0.75 प्रतिशत की वृद्धि की। हालांकि, फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल और कई अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि अर्थव्यवस्था में कुछ नरमी जरूर है लेकिन उन्हें मंदी को लेकर संदेह है।

इसका कारण श्रम बाजार में मजबूती है। 1.1 करोड़ नई नौकरियों के अवसर उपलब्ध हुए हैं और बेरोजगारी दर 3.6 प्रतिशत है जो अपेक्षाकृत काफी कम है। पिछले साल अमेरिकी की आर्थिक वृद्धि दर 5.7 प्रतिशत रही थी।

देश की 75 बड़ी कंपनियों में घरेलू निवेशकों के पास इक्विटी शेयर अधिक

मुंबई ।

देश की 75 बड़ी कंपनियों में इस साल अप्रैल-जून तिमाही में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के मुकाबले घरेलू निवेशकों के पास इक्विटी शेयर की संख्या अधिक हो गई है। ब्रोकरेज कंपनी मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट के अनुसार घरेलू निवेशकों के पास जून, 2022 में संयुक्त रूप से इक्विटी 7.20 प्रतिशत बढ़कर 25.6 प्रतिशत हो गई। वहीं विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के पास उपलब्ध शेयर 2.30 प्रतिशत घटकर 24.8 प्रतिशत रह गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि जून तिमाही में 75 कंपनियों में घरेलू निवेशकों का मालिकाना हक 0.9 प्रतिशत बढ़ा जबकि एफपीआई के मामले में यह 0.84 प्रतिशत घटा है। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से ये कंपनियां बड़ी हैं। एफपीआई का स्वामित्व दिसंबर, 2014 के बाद 2.32 प्रतिशत घटा, जबकि सालाना आधार पर 2.63 प्रतिशत कम हुआ है। प्रवर्तकों की हिस्सेदारी भी सालाना आधार पर 0.2 प्रतिशत, तिमाही आधार 0.05 प्रतिशत तथा 2014 के बाद से 3.26 प्रतिशत कम हुई है।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 255 रुपये की तेजी के साथ ही 51,783 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया जबकि गत कारोबारी सत्र में सोना 51,528 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी भी 1,610 रुपये ऊपर आकर 58,387 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 56,777 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना उछलकर 1,762 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं चांदी 20.10 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई है। अनुमान है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में आ रही मंदी से निवेशकों की पहली पसंद सुरक्षित विकल्प के तौर पर सोना और चांदी हो गये हैं। जिससे इनकी कीमतें बढ़ी हैं।

फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा के रेवन्यू में पहली बार दर्ज की गई गिरावट, ह्वाट्सऐप बेच सकते हैं जुकरबर्ग

नई दिल्ली ।

फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा के रेवन्यू में पहली बार गिरावट दर्ज की गई है। सन 2022 की दूसरी तिमाही के राजस्व मे गिरावट दर्ज की गई है। इसका असर कंपनी के इंस्टैंट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म ह्वाट्सएप पर भी देखने को मिल सकता है। कंपनी अब इसे बेचने पर विचार कर सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक मेटा के कुल राजस्व में 1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के बाद कमाई कम होकर 28.8 बिलियन डॉलर (लगभग 23 हजार अरब रुपये) हो गई। कंपनी ने यह भी अनुमान लगाया है कि तीसरी तिमाही में भी इसमें गिरावट देखी जा सकती है। कंपनी के अनुमान के मुताबिक इसकी कमाई तीसरी तिमाही में लगभग 20 हजार अरब रुपए पर पहुंच सकती है। फेसबुक के अलावा वेटा का ओवरऑसल प्रॉफिट भी 36 परसेंट घटकर 6.7 बिलियन डॉलर रह गया है। फेसबुक का मेटावर्स को लेकर बड़ा प्लान है और इस पर कंपनी पहले ही अरबो डॉलर्स का निवेश किया है। मेटा का एक खास डीविजन रियलिटी लैब्स मार्क जकरबर्ग के मेटावर्स ड्रीम पर काम कर रहा है। इस डिविजन में पिछली तिमाही में 2.8 बिलियन का घाटा दर्ज किया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने ह्वाट्स एप पर सबसे बड़ा इनवेस्टमेंट किया था लेकिन, कंपनी को इससे कोई खास फायदा नहीं हो रहा है। मार्क जकरबर्ग के सामने अभी कई चुनौतियां हैं। इंस्टाग्राम टिक टाक की तरह बनकर यूजर्स को इंगेज रखना चाहता है। टीनेजर्स अब पहले ही तरह फेसबुक पर ऐक्टिव नहीं रहते हैं और डेटा भी यही कहता है। इस वजह से भी कंपनी की ग्रोथ कम हुई है। इसके अलावा ऐपल भी फेसबुक ऐप के जरिए लोगों को टारगेट करने वाले एडवरटाइजर्स को ब्लॉक कर रहा है।

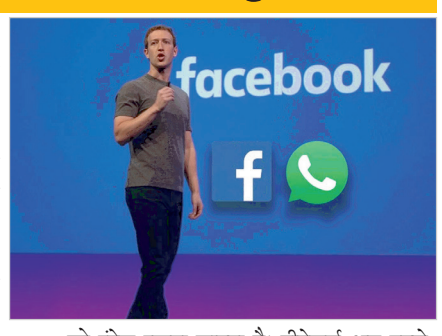

आरबीआई ने कहा- टोकनाइजेशन के बावजूद आपके कार्ड का डेटा स्टोर कर सकेंगे बैंक

आरबीआई ने कार्ड टोकेनाइजेशन सिस्टम लागू करने की डेडलाइन बढ़ा कर 30 सितंबर की

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आदेश में कहा कि एक्रायरिंग बैंक भुगतानकर्ता के क्रेडिट या डेबिट कार्ड के डेटा (कार्ड ऑन फाइल) 31 जनवरी 2023 तक स्टोर कर सकते हैं। जबकि कार्ड टोकनाइजेशन प्रणाली के तहत बैंकों को यह डेटा ट्रांजेक्शन के तुरंत बाद डिलीट करना था। एक्रायरिंग बैंक उन्हें कहा जाता है जो दुकानदार के खाते में ग्राहक की ओर से पैसा जमा करते हैं। वहीं ग्राहक के खाते से पैसा काटने वाले बैंक को इश्यूर बैंक कहा जाता है। कार्ड इश्यूर और कार्ड नेटवर्क के अलावा एक ट्रांजेक्शन के पूरा होने की प्रक्रिया में व्यापारी और पेमेंट एग्रीगेटर भी शामिल होते हैं। इस तरह से अन्य 2 इकाइयां भी कार्ड का डेटा सेव कर सकेंगी। हालांकि, इसकी अधिकतम अवधि 4 दिन होगी। आरबीआई ने कहा है कि इस डेटा का इस्तेमाल केवल ट्रांजेक्शन सेटलमेंट के लिए होना चाहिए और उसके बाद इसे डिलीट करना होगा। गौरतलब है कि कार्ड इश्यूर और नेटवर्क को छोड़कर अन्य सभी इकाइयां 4 दिन के लिए डेटा 30 सितंबर तक की सेव कर सकती हैं और उसके बाद उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं होगी। आरबीआई ने कार्ड टोकेनाइजेशन सिस्टम लागू किए जाने की डेडलाइन बढ़ा कर 30 सितंबर, 2022 कर दी है. यह डेडलाइन पहले 30 जून, 2022 थी। टोकनाइजेशन के तहत कार्ड के जरिए ट्रांजैक्शन के लिए एक यूनिक अल्टरनेट कोड यानी टोकन जनरेट किया जाता है। ये टोकन ग्राहक की जानकारी का खुलासा किए बिना पेमेंट करने की अनुमति देंगे। टोकनाइजेशन सिस्टम का मकसद ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड को रोकना है। कई लोगों ने शॉपिंग ऐप या वेबसाइट पर 'सिक्योर योर कार्ड' या 'सेव एज पर आरबीआई गाइडलाइन्स' लिखा देखा होगा। इसे सेव कर ओटीपी दर्ज करने के बाद आपका कार्ड टोकनाइज्ड हो जाएगा। अगर ग्राहकों ने कार्ड टोकनाइजेशन के लिए सहमति नहीं दी, तो उन्हें हर बार ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए कार्ड वेरीफिकेशन वैल्यू दर्ज करने के बजाए अपने सभी कार्ड विवरण नाम, कार्ड नंबर और कार्ड की वैलिडिटी दर्ज करनी होगी।

बिक्री मामले में चीनी कारों ने टेस्ला को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली ।

चीन की जिस कंपनी के उत्पाद को एलन मस्क ने बुरा बताया था, आज उसी ने टेस्ला को पीछे छोड़ दिया है। चीनी कंपनी बीवाईडी ने इस महीने इलेक्ट्रिक कारों के प्रमुख विक्रेता टेस्ला को पीछे छोड़ दिया है। बीवाईडी की स्थापना साल 1995 में वांग चोनफू द्वारा की गई थी। इस कंपनी का चीन से बाहर कोई अधिक नाम नहीं है। इसके बावजूद इस कंपनी ने साल 2022 की पहली छमाही में 6 लाख 41 हजार इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कारें बेच दीं। कंपनी ने अपने प्रतिद्वंद्वी टेस्ला की तुलना में 80 हजार अधिक कारें बेची हैं। खास बात यह है कि बीवाईडी की कारों की कीमत टेस्ला की तुलना में काफी कम है। इसकी कीमतें टेस्ला की तुलना में काफी बेहतर हैं। इसके पार कई सारे मॉडल्स हैं। अब घरेलू (चीनी) ब्रांड्स अधिक विकल्प प्रदान कर रहे हैं। इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि बीवाईडी की बिक्री टेस्ला की तुलना में बेहतर है।' चीनी इलेक्ट्रिक कारों के सबसे बड़े आलोचक तो टेस्ला के सीईओ और को-फाउंडर एलन मस्क ही थे। मस्क ने ब्लूमबर्ग को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि क्या आपने उनकी कार देखी है? मुझे नहीं लगता कि वे एक अच्छा उत्पाद बनाते हैं। बीवाईडी ने इस साल के पहले छह महीनों में बिक्री में 315 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। बीवाईडी ने 90 फीसदी से अधिक वाहन चीन में ही बेचे हैं। यह कंपनी ग्राहकों को विदेशी कंपनियों के मुकाबले कम कीमत पर कार ऑफर करती है।

किआ मोटर्स ने 5 लाख यूनिट्स किया सेल

-टाटा और महिंद्रा को मिल रही कड़ी टक्कर

नई दिल्ली ।

कार निर्माता कंपनी किआ ने भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली है। कंपनी की कारों को भारत में खूब पसंद किया जा रहा है। भारत में किआ मोटर्स ने 5 लाख यूनिट्स सेल करने का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी ने यह कारनामा महज 3 साल में किया है। कंपनी ने साल 2019 में किआ सेल्टॉस के साथ भारतीय बाजार में एंट्री की थी। अगस्त 2019 में किआ सेल्टॉस को लॉन्च किया गया था। 5 लाख यूनिट्स सेल करने के साथ ही कंपनी ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। किआ सबसे तेज 5 लाख कारें बेचने वाली कंपनी बन गई है। भारत में किआ ने टाटा और महिंद्रा जैसे दिग्गज भारतीय ब्रैंड्स को भी कड़ी टक्कर दी है।इंडिया में कंपनी की पहली कार किआ सेल्टॉस भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी में से एक है। पिछले 3 सालों में सेल्टॉस में कई बार बदलाव किए हैं और इसकी लाइनअप में कुछ नए वेरिएंट भी जोड़े हैं। अब इस कार के फेसलिफ्ट वर्जन का इंतजार किया जा रहा है। लॉन्च होने पर यह कार हयूदै क्रेटा, वाक्सवैगन टाइगुन, स्कोड कुशाक और एमजी अस्टार जैसी पॉपुलर कारों को टक्कर देगी। एसयूवी में नया टाइगर-नोज फ्रंट ग्रिल है और निचले बम्पर को नई डिजाइन लैंग्वेज दी गई है।

भारत में किआ सेल्टॉस, किआ कैरेंस और किआ सॉनेट जैसी कारें बहुत लोकप्रिय हैं और इनके दम पर किआ ने भारत में यह उपलब्धि हासिल की है। ग्लोबल मार्केट में लॉन्च हुई नई किआ सेल्टास फेसलिफट के डिजाइन में कई चेंज देखने को मिलते हैं। नई किआ सेल्टॉस में नया ग्रिल, बड़ा एयर डैम और लीड डे-टाइम रनिंग लाइट्स के साथ री-स्टाइल हेडलाइट्स जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

राष्ट्रमंडल खेल

टेबल टेनिस में भारत का शानदार प्रदर्शन, पहले मैच में महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

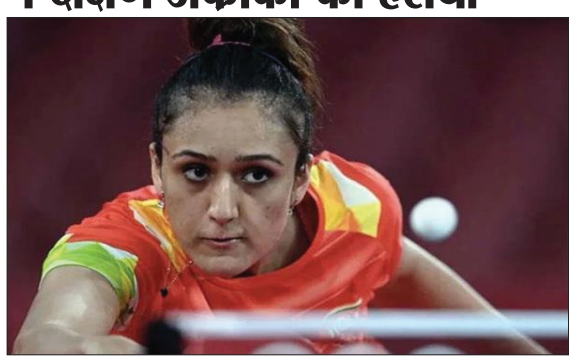

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

मनिका बत्रा की अगुवाई में भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों में खिताब की रक्षा का अभियान जीत के साथ शुरू करते हुए शुक्रवार को ग्रुप दो के पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 3 . 0 से हराया। महिला युगल मुकाबले में श्रीजा अकुला और रीत टेनिसन ने दक्षिण अफ्रीका की लैला एडवर्डस और डेनिशा पटेल को 11 . 7, 11 . 7, 11 . 5 से हराकर भारत को बढत दिलाई। इसके बाद मौजूदा चैम्पियन बत्रा ने मुसफिक कलाम को पहले एकल मैच में 11 . 5, 11 . 3, 11 . 2 से हराया।बत्रा पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में टेबल टेनिस महिला एकल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनी थी। अकुला ने दूसरे एकल में पटेल को 11 . 5, 11 . 3, 11 . 6 से हराकर भारत की जीत पर मुहर लगा दी। भारतीय टीम दूसरे मैच में फीजी से खेलेगी।

भारत के स्टार शिवा थापा ने बॉक्सिंग में पाकिस्तान के सुलेमान बलोच को हराया

बर्मिंघम (एजेंसी)।

भारत के अनुभवी मुक्केबाज शिवा थापा ने शुक्रवार को बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल गेम्स की मुक्केबाजी प्रतियोगिता में पाकिस्तान के सुलेमान बलोच की धूल चटा दी है। शिवा थापा ने 63.5 किग्रा भार वर्ग के राउंड 32 के मुकाबले में 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की है। 2015 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुके शिवा थापा का पहला दिन जीत के आगाज के साथ खत्म हुआ। महिला बॉक्सिंग की बात करें तो तोक्यो ओलंपिक गेम्स की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन 30 जुलाई को न्यूजीलैंड की एरियन निकोलसन के खिलाफ रिंग में उतरेगी।

राष्ट्रमंडल खेल: कॉमनवेल्थ गेम शुरू होने से पहले मचा बवाल, उदघाटन समारोह बीच में छोड़कर गई मुक्केबाज लवलीना

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह को बीच में ही छोड़ना महंगा पड़ा क्योंकि इसके बाद वह करीब एक घंटे तक फंसी रहीं। उदघाटन समारोह गुरुवार रात को लगभग दो घंटे तक चला और लवलीना ने भारतीय मुक्केबाजी दल के एक अन्य सदस्य मुहम्मद हुसामुद्दीन के साथ अलेक्जेंडर स्टेडियम से खेल गांव के लिए जल्दी निकलने का फैसला किया। लवलीना से जब पूछा गया कि उन्होंने समारोह को बीच में क्यों छोड़ा उन्होंने पीटीआई से कहा, ''हम सुबह अभ्यास करना चाहते थे क्योंकि इसके एक दिन बाद हमारा मुकाबला है।

समारोह चल रहा था और हमने तब निकलने का फैसला किया। हमने टैक्सी उपलब्ध कराने को कहा लेकिन हमें बताया गया कि टैक्सी उपलब्ध नहीं है।'' समारोह अभी चल रहा था और ये दोनों ही मुक्केबाज स्वयं टैक्सी नहीं कर पाए। ऐसे में उनके पास खेल गांव पहुंचने का कोई विकल्प नहीं था। बाद में उन्होंने राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र से खेल गांव जाने वाली पहली बस पकड़ी। भारतीय दल को आयोजकों ने तीन कार उपलब्ध कराई थी लेकिन उनके ड्राइवर मौजूद नहीं थे क्योंकि भारतीय खिलाड़ी और अधिकारी बसों से उद्घाटन समारोह के लिए पहुंचे थे। भारतीय दल के प्रमुख राजेश भंडारी इस पूरे घटनाक्रम से खुश नहीं थे। भंडारी भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के उपाध्यक्ष भी हैं। भंडारी ने कहा, ''समारोह के बीच में ही मुझे पता चला कि वह एक अन्य मुक्केबाज के साथ वापस लौट गई है।

हम सभी बसों में आए थे और तब टैक्सी का विकल्प उपलब्ध नहीं था। अगर उन्हें जल्द ही लौटना था तो फिर उन्हें समारोह में नहीं आना चाहिए था।'' उन्होंने कहा, ''कई अन्य खिलाड़ियों ने भी समारोह में नहीं आने का फैसला किया था क्योंकि अगले दिन उन्हें अभ्यास या फिर अपनी स्पर्धाओं में हिस्सा लेना था। मैं इस मामले में मुक्केबाजी टीम से बात करूंगा।'' भारत से कुल 164 खिलाड़ियों और अधिकारियों ने उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया। जिन भारतीय खिलाड़ियों ने समारोह मैं नहीं आने का फैसला किया उनमें महिला भारतीय क्रिकेट टीम भी शामिल थी क्योंकि उसे अगले दिन मैच खेलना है। खेलों से पहले लवलीना ने आरोप लगाया था कि उनकी कोच को लगातार परेशान किया जा रहा है और उनकी निजी कोच संध्या गुरुंग को खेल गांव में आने की अनुमति नहीं दी जा रही है। संध्या को बाद में खेल गांव का मान्यता पत्र दिया गया था।

100 मीटर बैकस्ट्रोक के सेमीफाइनल में पहुंचे युवा स्टार तैराक श्रीहरि

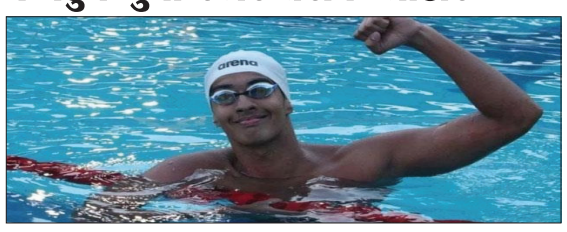

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

भारत के युवा स्टार तैराक श्रीहरि नटराज ने शुक्रवार को राष्ट्रमंडल खेलों के 100 मीटर बैकस्ट्रोक आयोजन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। श्रीहरि ने हीट 4 में भाग लेते हुए 54.68 सेकंड के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इसी बीच पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल तैराकी हीट 3 में कुशाग्र रावत अपना प्रभाव नहीं डाल सके। 22 वर्षीय कुशाग्र ने 3:57:45 के साथ आठवां स्थान हासिल किया और होड़ से बाहर हो गये। पुरुषों की 50 मीटर बटरफ्लाई में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए साजन प्रकाश ने अपनी हीट में 25.01 सेकंड के समय के साथ आठवां स्थान प्राप्त किया। वह समग्र रूप से 24वें स्थान पर रहे और सेमीफाइनल से बाहर हो गये जहां सिर्फ शीर्ष 16 ने जगह बनाई।

4000 मीटर टीम पर्स्यूट से बाहर हुए भारतीय साइकिलिस्ट

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

भारतीय साइकिलिस्ट पुरुषों की 4000 मीटर टीम पर्स्यूट के क्वालीफिकेशन राउंड में हारकर बाहर हो गए, जबकि न्यूजीलैंड ने प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया। वेंकप्पा केंगलागुट्टी, दिनेश कुमार, अनंत नारायण एस एस और विश्वजीत सिंह की टीम छह प्रतियोगियों के आयोजन में 4:12.865 मिनट के समय के साथ छठे स्थान पर रही।

न्यूजीलैंड 3:49.821 के समय के साथ शीर्ष पर रही, जबकि इंग्लैंड (3:50.796) ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड स्वर्ण पदक मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगी जबकि तीसरे स्थान पर रहने वाली ऑस्ट्रेलिया चौथे स्थान पर रहने वाली वेल्स टीम से कांस्य पदक मुकाबले में भिड़ेगी।

गार्डनर, हैरिस की शानदार पारी से ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने भारत को हराया

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

एशले गार्डनर की नाबाद अर्धशतकीय पारी 52 रनों की सहायता से ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों के ग्रुप ए के पहले ही मैच में भारतीय टीम को तीन विकेट से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और शेफाली वर्मा 48 और कप्तान हरमनप्रीत कौर की शानदार पारी 52 रनों की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 154 रन बनाये। इस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए 155 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने 19 ओवर में ही सात विकेट पर 157 रन बनाकर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही पर गार्डनर ने मैदान में उतरते ही बाजी पलटते हुए अपनी टीम को जीत दिला दी। गार्डनर ने अपनी आक्रामक पारी में नौ चौके लगाकर नाबाद 52 रन बनाये। इसके अलावा ग्रेस हैरिस ने 37 रन बनाये।

पहले दो मैचों में जिस तरह से आउट हुआ, उससे निराश हूं: गिल

पोर्ट ऑफ स्पेन। शुभमन गिल भले ही अपने पहले अंतरराष्ट्रीय शतक से चूक गए लेकिन उन्हें खुशी है कि वह अपनी अच्छी शुरूआत को बड़े स्कोर में बदलने में सफल रहे जैसा कि वह पहले दो वनडे मैचों में नहीं कर पाए थे। गिल वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के पहले दो मैचों में 64 और 43 रन पर आउट हो गए थे और उन्होंने अपने आउट होने के तरीके पर निराशा व्यक्त की। बारिश से प्रभावित तीसरे मैच में 98 रन पर नाबाद रहने वाले गिल ने कहा, ''पहले दो मैचों में मैं जिस तरह से आउट हुआ उससे मैं निराश था। अंतिम मैच में मैं स्ट्राइक रोटेट करने का प्रयास कर रहा था। बारिश के आखिरी व्यवधान से पहले मुझे केवल एक ओवर की जरूरत थी।'' अपने करियर का सर्वोच्च स्कोर बनाने वाले गिल ने कहा कि अगर उन्हें एक ओवर और मिल जाता तो वह निश्चित तौर पर शतक पूरा कर लेते। गिल ने मैच के बाद कहा, ''मुझे शतक पूरा करने की उम्मीद थी लेकिन बारिश आ गई और यह चीजें मेरे हाथ में नहीं थी। मैं हालांकि अपनी इस पारी से बहुत खुश हूं। तीनों मैचों में विकेट बहुत अच्छा था।

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी20 में इंग्लैंड को हराया

कार्डिफ (एजेंसी)।

रिली रॉसो और सलामी बल्लेबाज रीजा हेंड्रिक्स के अर्धशतकों और एंडिल फेहलुकवायो और तबरेज शम्सी के 3-3 विकेटों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में मेजबान टीम इंग्लैंड को 58 रनों से हरा दिया। इस प्रकार तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ गयी है। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका को पहले बल्लेबाजी के बुलाया। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट पर 207 रन बनाये। इसके बाद इंग्लैंड टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 16.4 ओवर में ही 149 रनों पर सिमट गयी।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से रिली रॉसो ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए 55 गेंदों पर 96 रन बनाये। रिली ने 10 चौके और 5 छक्के लगाये। वहीं सलामी बल्लेबाज ओपनर रीजा हेंड्रिक्स ने भी तेजी से बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाया। रीजा ने 32 गेंदों पर 3 चौके और 2 छक्के लगाकर 53 रन बनाये। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान इंग्लैंड के बल्लेबाजफेहलुकवायो और शम्सी का सामना नहीं कर पाये। इंग्लैंड की ओर से केवल जॉनी बेयरस्टो ही सबसे ज्यादा 30 रन बना पाये। कप्तान जोस बटलर 29 और सलाकी बल्लेबाज जेसन रॉय भी 20 रनों पर ही आउट हो गये। टीम के अधिकतर बल्लेबाज दो अंकों का आंकड़ा भी हासिल नहीं कर पाये।

पाक ने शतरंज ओलंपियाड से टीम वापस बुलायी

चेन्नई । पाकिस्तान की टीम भारत में हो रहे 44वें शतरंज ओलंपियाड का बहिष्कार कर स्वदेश लौट गयी है। भारतीय शतरंज महासंघ ने पाक के इस फैसले को बेहद ही निराशाजनक करार दिया है। इस प्रकार पाक का अभियान शुरु होने से पहले ही समाप्त हो गया। पाक ने पहले इस टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम भारत भेजी थी पर बाद में अचानक ही वापस बुला दी। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (एफआईडीई) ने शतरंज ओलंपियाड में भाग लेने के लिए पाक को बुलाया था। शतरंज ओलंपियाड में 180 से अधिक देशों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। पाक ने खेल का बहिष्कार करते हुए कहा कि इसकी मशाल जम्मू-कश्मीर से गुजारी जिसका हम विरोध करते हैं और इसी लिए हमने खेलों से अपनी टीम वापस बुलायी है।

एस श्रीराम ने ऑस्ट्रेलियाई कोचिंग पद छोड़ा, इस कारण लिया फैसला

सिडनी। भारत के पूर्व ऑलराउंडर श्रीधरन श्रीराम ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) में अपनी भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ऑस्ट्रेलिया का स्पिन गेंदबाजी कोच पद छोड़ने का फैसला किया है। ऑस्ट्रेलिया की अगले साल के भारत दौरे पहले श्रीराम ने यह फैसला किया है। भारत की तरफ 2000 से लेकर 2004 तक आठ वनडे खेलने वाले श्रीराम 2015 से ऑस्ट्रेलिया के कोचिंग ढांचे का हिस्सा थे। वह भारतीय दौरे के दौरान ऑस्ट्रेलिया ए टीम का हिस्सा थे लेकिन 2016 में उन्हें तत्कालीन मुख्य कोच डेरेन लीमन की अगुवाई में स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया। श्रीराम ने बयान में कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में छह साल बिताने के बाद मैं भारी मन से ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के सहायक कोच की अपनी वर्तमान भूमिका छोड़ रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि टीम को ध्यान में रखते हुए यह पद छोड़ने का उपयुक्त समय है। इससे उन्हें दो विश्व कप और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा। यह मेरे लिए सभी प्रारूपों, विश्व कप और एशेज में काम करने का अच्छा अनुभव रहा है।' क्रिकेट.कॉम.एयू ने बताया कि श्रीराम ने आईपीएल की अपनी भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने के लिए यह पद छोड़ा। वेबसाइट के अनुसार, 'श्रीराम ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ कोचिंग पर ध्यान केंद्रित करने और चेन्नई में परिवार के साथ अधिक समय बिताने के लिए यह फैसला किया।' ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ श्रीराम ने नाथन लियोन, एडम जम्पा, मिशेल स्वेपसन, ग्लेन मैक्सवेल और मार्नस लाबुशेन जैसे क्रिकेटरों के साथ काम किया।

बीसीसीआई को भारतीय क्रिकेटरों को विदेशी टी20 लीग में भाग लेने की अनुमति देनी चाहिए: गिलक्रिस्ट

मुंबई (एजेंसी)।

आस्ट्रेलियाई महान विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट ने गुरूवार को कहा कि वह चाहते हैं कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अपने क्रिकेटरों को देश से बाहर टी20 लीग में भाग लेने की अनुमति दे। अभी बीसीसीआई भारतीय खिलाड़ियों को विदेश की टी20 लीग जैसे आस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में भाग लेने की अनुमति नहीं देता ताकि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की विशिष्टता बरकरार रहे। गिलक्रिस्ट ने पत्रकारों से कहा, ''यह शानदार होगा (अगर भारतीय खिलाड़ियों को विदेशी टी20 लीग में खेलने की अनुमति दी जाये), मैं व्यक्तिगत रूप से महसूस करता हूं कि इससे आईपीएल की चमक फीकी नहीं होगी। इससे 'ब्रांड' के तौर वे विकास ही करेंगे, अगर वे (भारतीय खिलाड़ी) आस्ट्रेलिया या दक्षिण अफ्रीका में खेल पायें।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन चुनौती यही है कि हम सभी एक ही समय में अपने घरेलू सत्र खेल रहे हैं इसलिये यह मुश्किल चीज है।' गिलक्रिस्ट ने एक दिन पहले विश्व क्रिकेट में आईपीएल फ्रेंचाइजी के बढ़ते दबदबे पर सवाल उठाये थे। हालांकि तीन बार के विश्व कप विजेता ने कहा कि वह दुनिया की सबसे लोकप्रिय टी20 लीग के खिलाफ नहीं थे।

ऑस्ट्रेलिया में होने वाले विश्व कप के लिए टीम तय: रोहित

टरूबा(एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम तकरीबन तय है और अब कुछ स्थानों के लिए ही फैसला होना है। उन्होंने कहा, 'टीम में कुछ स्थान है जिनको अभी भरना है और हम जानते हैं कि इन स्थानों को भरने के लिए हमें किस प्रकार के खिलाड़ियों को शामिल करना है। अभी हमारा ध्यान वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज पर है। इससे पहले इंग्लैंड दौरे में भी मिले अनुभवों से टीम को काफी कुछ सीखने को मिला। रोहित ने यह भी कहा कि टी20 प्रारुप में निडर रवैये से कभी-कभी परिणाम हमारे अनुसार नहीं आते पर इसका मतलब यह नहीं कि टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। रोहित ने कहा कि आक्रामक रवैया अपनाने से खिलाड़ियों को खुलकर खेलने की आजादी मिलती है।

रोहित ने कहा कि भारतीय टीम और उसके प्रशंसकों को इस तरह के बदलावों के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा, 'हम अभी जिस तरह की क्रिकेट खेल रहे हैं उसमें कभी कभार असफलताएं मिलना तय है लेकिन इसमें कोई परेशानी नहीं क्योंकि हम कुछ सीख रहे हैं और कुछ अलग करने की कोशिश कर रहे हैं।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'इसलिए इसमें गलतियों होंगी पर इसका मतलब यह नहीं है कि हमारे खिलाड़ी खराब खेल रहे हैं। इसका मतलब है कि हम कुछ नया करने की कोशिश कर रहे हैं। समय के साथ हर किसी को बदलना पड़ता है और हम बदलाव कर रहे हैं और मुझे लगता है कि अन्य लोगों को भी यह समझना चाहिये।'

केएल राहुल की जगह इस धाकड़ बल्लेबाज को मिली टीम इंडिया में जगह

नई दिल्ली। संजू सैमसन को वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी 5 मैचों की टी-20 सीरीज से पहले टीम इंडिया में शामिल कर लिया गया है। टीम इंडिया ने शुक्रवार से त्रिनिदाद में विंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज की शुरूआत करनी है। संजू सैमसन को केएल राहुल की जगह टीम में शामिल किया गया है। केरल का यह सितारा वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम का सदस्य था, लेकिन उसे टी-20 टीम में शामिल नहीं किया गया था। केएल राहुल को विंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए पहले चुना गया था लेकिन वह फिटनेस के स्तर को पार नहीं कर पाए। राहुल को आईपीएल समाप्त होने के बाद ग्रोइन सर्जरी की समस्या हुई थी जिसके लिए उन्हें जर्मनी जाना पड़ा था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अदरक उत्पादन तकनीक

जलवायु

अदरक गर्म एवं नम जलवायु में अच्छी तरह उगाया जाता है। इसकी खेती समुद्र तट से 1500 मीटर तक की ऊंचाई पर भी की जा सकती है। अदरक की खेती वर्षा आधारित एवं सिंचित अवस्था में की जा सकती है। इसकी खेती के लिए बुवाई के समय मध्यम वर्षा, वृद्धि तक अधिक वर्षा की आवश्यकता होती है। कटाई एवं एक महीना पहले शुष्क वातावरण की आवश्यकता होती है।

भूमि

अदरक विभिन्न प्रकार की मिट्टी में उगाई जा सकती है। लेकिन इसकी खेती के लिए अच्छे जल निकास वाली जीवांश युक्त दोमट या बलुई दोमट मिट्टी उपयुक्त रहती है।

उन्नत किस्में

सुप्रभा, सुरूचि, सुरभि

अन्य किस्मों में वर्दा, हिमगिरी, महिमा, रेजाता आदि है।

भूमि की तैयारी

अदरक की अच्छी खेती के लिए भूमि को गर्मी के शुरू में अच्छी गहरी जुताई करके मिट्टी भुरभुरी बना ली जाती है।

बीज दर

अदरक का बीज प्रकंद होता है। बुवाई के लिए 2.5-5.0 सेमी लम्बे, 20-25 ग्राम वजन के जिनमें कम से कम 2-3 अंकुरित आंखें हो बोने के लिए उपयुक्त होते हैं। एक हैक्टेयर में बुवाई हेतु 15-20 क्विंटल प्रकंदों की आवश्यकता होती है।

बीजोपचार

अदरक के बीज प्रकंद को 30 मिनट तक मेंकोजेब 3 ग्राम/ लीटर पानी के साथ उपचारित करके, 3-4 घंटे छायादार जगह पर सुखाते हैं।

बुवाई की विधि

वर्षा आधारित क्षेत्रों के लिए प्रकंदों की बुवाई के लिए 4 सेमी ऊंची, 1 मीटर चौड़ी तथा आवश्यकतानुसार लम्बी क्यारियों को तैयार कर बुवाई करते हैं। प्रकंदों को 15-20 सेमी की दूरी पर 3-4 सेमी की गहराई पर बो देते हैं। सिंचित क्षेत्रों में क्यारियों बनाकर उनमें 40 सेमी की दूरी पर मेड़ बना ली जाती है तथा 20-25 सेमी की दूरी पर 3-4 सेमी गहराई पर प्रकंदों की बुवाई कर देते हैं।

सिंचाई

बुवाई के समय पर्याप्त नमी रहे। अंकुरण के बाद शीघ्र सिंचाई कर दें। इसके बाद वर्षा होने तक नमी बनाये रखने के लिए 10-10 दिन के अंतर पर सिंचाई करते रहें।

निराई-गुड़ाई एवं मिट्टी चढ़ाना

अदरक की फसल में आवश्यकतानुसार 2-3 बार खरपतवार निकाल दें।

प्रकंदों की खुदाई

हरी अदरक के लिए इसकी खुदाई बुवाई के 180 दिन बाद करें तथा सूखी अदरक के लिए इसकी बुवाई के 240-260 दिन बाद तब पत्तियां पीली पड़ जाये तथा धीरे-धीरे सूखने लगे तब की जाये। खुदाई करते समय ध्यान रखें कि प्रकंद फटने न पाये। पौधों को सावधानी पूर्वक फावड़े या कुदाली की सहायता से उखाड़ कर प्रकंद को जड़ और मिट्टी से अलग कर लेते हैं। खुदाई के बाद प्रकंद को अच्छी तरह पानी से धोकर एक दिन के लिए धूप में सुखा लें।

उपज

ताजा अदरक की उपज लगभग 15-25 टन/ हेक्टेयर प्राप्त होती है, जो सूखाने के बाद 20-25 प्रतिशत तक प्राप्त होती है।

भण्डारण बीज संग्रहण के लिए अदरक को पेड़ के नीचे छाया में गड्ढा खोदकर कंदों को इस प्रकार रखा जाता है कि इसमें हवा के लिए काफी जगह बनी रहे। बीज प्रकंदों को 0.3 प्रतिशत मेंकोजेब या रीडोमिल के घोल में 30 मिनट तक उपचारित करके छायादार जगह पर सुखा लेते हैं। गड्ढों को गोबर से लेप देते हैं। फिर एक परत प्रकंद फिर 2 सेमी रेत/ बुरादा की परत में रखते हैं। इस तरह भरने के बाद ऊपर से गड्ढों को लकड़ी के तखते से ढक देते हैं। इन तख्तों को हवादार बनाने के लिए एक या दो छेद करते हैं।

पलवार

बुवाई के तुरंत बाद घास फूस पत्तों की पलवार बिछाना लाभप्रद रहता है। पलवार से मिट्टी का कटाव कम होता है। तथा भूमि में जीवांश पदार्थ की वृद्धि होती है तथा भूमि में नमी भी संरक्षित रहती है। पलवार से खरपतवार भी कम उगते है। पहली पलवार बुवाई के समय तथा दूसरी व तीसरी पलवार 40 एवं 90 दिन बाद बिछायें। प्रथम पलवार के लिए 5-7 टन/ हैक्टेयर हरे पत्तों की आवश्यकता रहती है।

रबी प्याज उत्पादन तकनीक

सामान्यत

रबी मौसम में बुवाई अक्टूबर-नवम्बर माह में तथा रोपाई दिसंबर से जनवरी के पहले सप्ताह तक की जाती है। यह मौसम प्याज की खेती के लिए सर्वोत्तम है। यह प्याज अधिकतर ग्रीष्मकाल में आने के कारण इसे ग्रीष्मकालीन प्याज भी कहते हैं। प्याज के अंतर्गत क्षेत्रफल का 60 प्रतिशत इसी मौसम में लगाया जाता है। महाराष्ट्र के कोकन का तटीय भाग, चंद्रपूर तथा भंडारा के क्षेत्र को छोड़कर संपूर्ण राज्य में रबी मौसम में प्याज की खेती होती है।

उत्तर भारत के सभी राज्यों में इसी मौसम में प्याज की खेती की जाती है। नवम्बर माह के अंत में लगायी फसल मार्च-अप्रैल में निकाली जाती है। इस समय पत्तियाँ अच्छी तरह सूखती है तथा अच्छी तरह सूखा हुआ प्याज अधिक समय भण्डारित होता है। रबी प्याज की रोपाई में जितनी देर होती है, उतनी ही उपज घटती है तथा प्याज का आकार छोटा रह जाता है। रबी प्याज लगाने में अधिक देरी होने से यह जून में तैयार होता है और उस समय वर्षा होने से प्याज को नुकसान होता है तथा यह अच्छी तरह सूख नहीं पाता है।

फलस्वरुप भण्डारण में अधिक सड़ने लगता है। रबी प्याज को अप्रैल से जून तक निकाला जाता है। इस दौरान अधिक उत्पादन होने से अगस्त माह तक बाजार भाव अच्छे नहीं मिलते हैं। इस दौरान अधिक उत्पादन होने से अगस्त माह तक बाजार भाव अच्छे नहीं मिलते है। इन परिस्थितियों में प्याज का भण्डारण करना लाभदायक रहता है। भण्डारण के लिए नवम्बर माह के अंत से दिसम्बर माह के मध्य तक की गयी रोपाई सर्वोत्तम होती है।

नर्सरी में पौध तैयार करना

रबी प्याज की उन्नत किस्म के बीज को 3 मीटर लम्बी, 1 मीटर चौड़ी व 20-25 से.मी. ऊंची उठी हुई क्यारियां बनाकर बोनी करें। 500 मीटर वर्गक्षेत्र में तैयार की गई नर्सरी की पौध एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होती है। प्रत्येक क्यारी में 40 ग्राम डी.ए.पी., 25 ग्राम यूरिया, 30 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश व 10-15 ग्राम फ्यूराडान डालकर अच्छी तरह मिट्टी में मिला दें। सितम्बर अक्टूबर माह में क्यारीयों को तैयार कर क्लोरोपाईरीफॉस (2 मिली./ लीटर पानी) कार्बेन्डाजिम (1 ग्राम/लीटर पानी) को धोलकर क्यारी की मिट्टी को तर कर 250 गेज मोटी सफेद पॉलिथिन बिछाकर 25-30 दिनों तक मिटटी का उपचार कर लें। इस विधि से मिटटी को उपचारित करने को मृर्दा शौर्यीकरण कहतें है। ऐसा करने पर मिटटी का तापमान बढने से भूमि जनित कीटाणु एंव रोगाणु नष्ट हो जाते है। बीजों को क्यारियों में बोने से पूर्व थायरम या कार्बोसिन/बाविस्टीन नामक फफूंदनाशक दवा से 2-3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। उपचारित बीजों को 5-10 सेमी. के अंतर पर बनाई गई कतारों 1 सेमी. की गहराई पर बोएं। अंकुरण के पश्चात पौध को जडगलन बीमारी से बचाने के लिए 2 ग्राम थायरम 1 ग्राम बाविस्टीन दवा को 1 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। बुआई के लगभग 7-8 सप्ताह बाद पौध खेत में रोपण के लिए तैयार हो जाती है।

रोगों से बचाव

रोगों से बचाव के लिए बीज और पौधशाला की मिट्टी को कवक नाशी या थीरम आदि से उपचारित कर लेना चाहिए। बीज और पौधशाला को ट्राइकोडर्मा से भी उपचारित किया जा सकता है। उसके बाद बीज की नर्सरी डालकर पुवाल आदि से ढक देना चाहिए। जमाव के बाद पुवाल हटाकर हल्की सिंचाई करनी चाहिए। रबी में प्याज की नर्सरी आठ से नौ सप्ताह में रोपाई करने की स्थिति में हो जाती है। रोपाई से पूर्व पौधों की जड़ों को कार्बेडाजिम, नौ प्रतिशत के घोल में डूबा देना चाहिए। प्याज लगाने से पूर्व मिट्टी की जांच करा लेनी चाहिए। एक हेक्टेयर खेत में 20 से 25 तक गोबर की खाद रोपाई से एक माह पूर्व ही खेत में मिला देना चाहिए। अच्छे उत्पाद के लिए प्रति हेक्टेयर 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 50 किलोग्राम फास्फोरस और 60 किग्रा पोटाश की आवश्यकता पड़ती है। गंधक और जिंक की कमी होने पर ही उपयोग करें।

भण्डारण

आमतौर पर खरीफ की तुलना में रबी प्याज में भण्डारित करने की आवश्यकता ज्यादा होती क्योंकि यह बाजार में तुरंत कम बिकता है। प्याज को भण्डारित करते समय निम्न सावधानियां रखना चाहिए।

1. भण्डारण से पहले कंदों को अच्छी तरह सुखा लें, अच्छी तरह से पके हुए स्वस्थ (4-6 सेमी आकार) चमकदार व ठोस कंदों का ही भण्डारण करें।
2. भण्डारण नमी रहित हवादार गृहों में करें। भण्डारण में प्याज के परत की मोटाई 15 सेमी. से अधिक न हों।
3. भण्डारण के समय सड़े गले कंद समय-समय पर निकालते रहना चाहिए।

उर्वरकों का खेती में सही उपयोग कब?

खेती में उर्वरकों का सही उपयोग कब - खरीफ फसलों का उत्पादन बढ़ाने में बीज के बाद उर्वरकों का योगदान सबसे अधिक रहा है। परंतु किसान अभी भी उर्वरकों का प्रयोग फसलों की आवश्यकता तथा पोषक तत्वों की उनके खेत में उपलब्धता के आधार पर नहीं कर रहे हैं। इसका एक मुख्य कारण उनकी भूमि पोषक तत्वों की मात्रा ज्ञात करने की जटिलता तथा उसके प्रति किसानों की उदासीनता मुख्य कारण है।

आशा है भारत सरकार द्वारा स्वाइल हेल्थ कार्ड योजना किसानों की इस उदासीनता को तोडने में सक्षम होगी। स्वाइल हेल्थ कार्ड द्वारा किसान को उसकी भूमि की सही स्थिति तथा उसमें उपलब्ध पोषक तत्वों की जानकारी मिलेगी जिसके आधार पर वह अपनी फसलों में संतुलित पोषक तत्वों का प्रयोग कर फसल की लागत को भी कम कर पायेगा परंतु मिट्टी के नमूने से लेकर प्रयोगशाला उसके विश्लेषण में जाने - अनजाने में हुई भूल या लापरवाही इस पूरी योजना की सफलता पर प्रश्न चिन्ह लगा सकती है जिसके परिणाम सिर्फ और सिर्फ किसान को ही भुगतने होंगे। इसलिए इस योजना की सफलता किसान की जागरूकता पर ही निर्भर करती है।जागरुक किसान नत्रजन व फास्फोरस का महत्व समझने लगे हैं और वह विभिन्न फसलों में इनके सही अनुपात को उपयोग में ला रहे हैं। परंतु अभी बहुत से किसान ऐसे भी है जो फास्फोरस युक्त उर्वरकों को खड़ी फसल में दे रहे हैं। इस ओर भी जागरूकता लाना भी आवश्यक है। उर्वरकों के उपयोग के आरंभ के वर्षों में तीसरे प्रमुख तत्व पोटाश की प्रदेश के अधिकांश जिलों की भूमि में देने की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि यह मिट्टी में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध था। अधिक उपज देने वाली जातियां आने के बाद पोटाश की मिट्टी में शनैः-शनैः मात्रा कम होती चली गयी और अब उपज के स्तर को बनाये रखने के लिये इसकी भूमि में आपूर्ति आवश्यक हो गयी है। इसकी कमी के लक्षण भी सोयाबीन व अन्य फसलों में दिखने लगे हैं, पत्तियों के बाहरी ओर पीलापन आने से इसकी कमी को पहचाना जा सकता है। गहरी जड़ों वाली फसलों में इसका उपयोग बीज बोने के पूर्व या बीज बोते समय करना चाहिए। खरीफ में प्रदेश में सोयाबीन फसल का रकबा लगभग 55-58 लाख हेक्टर रहता है। तिलहनी फसल होने के कारण इस फसल में अन्य तत्वों के अतिरिक्त गंधक की भी आवश्यकता होती है क्योंकि गंधक में तेल बनाने की प्रक्रिया में एक आवश्यक तत्व है। इसके प्रति सोयाबीन उगाने वाला किसान सोचता भी नहीं। वह अधिकतर फास्फोरस तथा नत्रजन की आपूर्ति डीएपी द्वारा कर लेता है। गंधक की आपूर्ति किसान बिना लागत बढ़ाये कर सकता है इसके लिए उसे डीएपी का मोह छोड़कर फास्फोरस की आपूर्ति सिंगल सुपर फास्फेट से करनी होगी जिससे फसल को 16 प्रतिशत फास्फोरस के अतिरिक्त 12 प्रतिशत गंधक तथा 21 प्रतिशत कैल्शियम भी मिल जाता है। स्वाइल हेल्थ कार्ड किसानों को एक दिशा-निर्देश तो दे सकता है परंतु यह समाधान नहीं। इसके लिए किसी निर्धारित क्षेत्र के स्वाइल हेल्थ कार्ड का वैज्ञानिक अध्ययन करना होगा। उसके बाद निकले निष्कर्षों के आधार पर किसान को उचित सलाह देनी होगी तभी इस योजना का लाभ होगा। एक क्षेत्र के मिट्टी के नमूनों को 4-5 विभिन्न प्रयोगशाला में भिजवा कर उनका परीक्षण करना होगा तभी हम किसी निष्कर्ष पर पहुंच पायेंगे अन्यथा शंका में ही घिरे रहेंगे।

श्रीलंका: ध्वज का अपमान करने के आरोप में श्रमिक संगठन का नेता गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंका में एक श्रमिक संगठन के नेता को राष्ट्रपति कार्यालय में अवैध तरीके से प्रवेश करने और राष्ट्रपति के ध्वज को चादर की तरह उपयोग करने के आरोप में शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। यह घटना करीब तीन सप्ताह पहले की है, जब पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों लोग जबरन राष्ट्रपति भवन में प्रवेश कर गए थे। 'डेली मिरर' अखबार की खबर के अनुसार, 54-वर्षीय आरोपी की पहचान उडेनी कलुतंतरी के रूप में हुई है, जो एक बंदरगाह पर सुरक्षा अधिकारी है। उडेनी को कोलंबो के डैम स्ट्रीट थाने में आत्मसमर्पण के बाद गिरफ्तार किया गया। खबर के अनुसार, उडेनी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें उसे राष्ट्रपति के आधिकारिक ध्वज को बिस्तर की चादर के तौर पर उपयोग करते देखा जा सकता है। श्रीलंका पुलिस ने कहा कि उडेनी को राष्ट्रपति कार्यालय में अवैध तरीके से प्रवेश करने और राष्ट्रपति के ध्वज को चादर की तरह उपयोग करने के लिए गिरफ्तार किया गया है।

रूस में व्हाट्सऐप और स्नैपचैट पर जुर्माना लगाया गया

लंदन। रूस के नियामकों ने ऑनलाइन गतिविधियों को नियंत्रित करने के सरकारी प्रयासों के तहत रूसी उपयोगकर्ताओं का डेटा लोकल सर्वर में नहीं रखने के लिये व्हाट्सऐप और स्नैपचैट पर जुर्माना लगाया है। मॉस्को की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को व्हाट्सऐप पर 1 करोड़ 80 लाख रूबल (तीन लाख डॉलर) और स्नैपचैट पर 10 लाख रूबल का जुर्माना लगाया है। रूसी संचार नियामक रोस्कोमनादजोर की शिकायत पर यह जुर्माना लगाया गया है। रूसी सरकार कई वर्ष से इंटरनेट और सोशल मीडिया पर व्यापक नियंत्रण का प्रयास कर रही है। हाल के महीनों में यह प्रयास तेज हुआ है क्योंकि सरकार यूक्रेन के बारे में संचार प्रवाह को सीमित करने की कोशिश कर रही है।

मेक्सिको: ट्रेलर ट्रक में ठुंसे हुए थे 94 प्रवासी, कंटेनर में छेद कर सभी ने बचाई अपनी जान

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के वेराक्रूज में एक राजमार्ग पर प्रवासियों से भरे एक मालवाहक ट्रेलर ट्रक को बीच रास्ते में छोड़ दिया गया, जिसके बाद उसमें मौजूद 94 प्रवासियों ने किसी तरह खुद को बचाया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। खाड़ी तटीय राज्य वेराक्रूज में प्रवासियों संबंधी मामलों के कार्यालय के प्रमुख कार्लोस एनरिक एस्केलांटे ने बताया कि प्रवासियों ने बाहर निकलने के लिए मालवाहक कंटेनर में छेद किया और कुछ लोग कंटेनर की छत से बाहर आए। कंटेनर की छत से छलांग लगाने से कुछ प्रवासी घायल हो गए, हालांकि इसमें किसी को कोई घातक चोट नहीं आई। एस्केलांटे ने बताया कि अकायुकान शहर के पास के स्थानीय निवासियों ने शोर सुना और मालवाहक कंटेनर को खोलने में मदद की। माना जाता है कि ट्रेलर में बड़ी संख्या में प्रवासी सवार थे और कंटेनर से निकलने के बाद कुछ प्रवासी भाग गए। ग्वाटेमाला, होंडुरास और अल सल्वाडोर के 94 प्रवासियों को आव्रजन अधिकारियों के हवाले कर दिया गया। बुधवार को सामने आए इस मामले ने 27 जून को टेक्सास के सैन एंटोनियो में हुई उस त्रासदी की यादें ताजा कर दीं, जब एक मालवाहक ट्रक में छोड़े गए 53 प्रवासियों की मौत हो गई थी।

बादलों में दिखी रहस्यमयी लाल रोशनी, वीडियो को देखकर लोगों ने कहा- खत्म होने वाली है दुनिया?

सोशल मीडिया पर कई तरह के वीडियो वायरल होते रहते हैं, लेकिन कुछ वीडियो को देखकर लोग अपने विचार और कयास लगाते रहते हैं। इसी बीच एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रही है जिसे देखकर लोग काफी चौंक गए हैं। इस वीडियो में एक पायलट बादलों की ओर इशारा करते हुए लाल रंग की रोशनी दिखाई। बादलों के बीच लाल रंग की रोशनी को देखकर कुछ लोग दुनिया खत्म होने का संकेत दे रहे है तो कुछ का कहना है कि ये काफी डरावना है। हालांकि, कुछ लोग इसके पीछे लॉजिक ढूंढते नजर आ रहे है। एक वीडियो सोशल मीडिया ट्विटर पर बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो के कैप्शन में लिखा है अटलांटिक महासागर के ऊपर एक रहस्यमयी लाल चमक का वीडियो फुटेज। इस वीडियो को देखकर कई लोग डर गए हैं। किसी को नहीं समझ आ रहा कि इस लाल रोशनी के पीछे का राज क्या है। इस वीडियो को देखकर लोग काफी डर गए हैं। कई लोगों का कहना है कि यह एक तरीके का अटलांटिक सॉरी है जो कनाडा से बरमूडा तक और सेंट लॉरेंस की खाड़ी में पाया जाता है। यहां जहाजों को पेरिमीटर के चारों ओर सैकड़ों लाल बत्तियों का इस्तेमाल करके मछलियों को पकड़ने के लिए किया जाता हैं। लोग इसे इस लाल रोशनी के साथ जोड़कर देख रहे है। इस वीडियो ने सोशल मीडिया यूजर्स के अंदर खौफ पैदा कर दिया है। बता दें कि हजारों बार इस वीडियो को देखा जा चुका है।

गंभीर नकदी संकट से गुजर रहे चीनी बैंक, निकासी फीज करने से 4 लाख ग्राहक प्रभावित

हेनान। इनदिनों चीनी बैंक एक बुरे दौर से गुजर रहे हैं, यह देखकर शहर के कई स्थानीय बैंकों ने पैसों की निकासी को फीज कर दिया है। चीन ने ऐसा गंभीर नकदी सकंट से बचने के लिए किया है, लेकिन इससे अब बैंक के ग्राहकों को बड़ी समस्या का सामना करना पड़ा रहा है। बता दें कि ग्राहकों ने अपने पैसे बैंकों में जमा कराए थे लेकिन अब वह इस चाह कर भी निकाल नहीं पा रहे हैं इनदिनों चीनी बैकों की हलात बहुत खराब चल रही है। इसका कारण देश में कोरोना महामारी के मामले बढ़ना और रियल एस्टेट में मंदी आना है। इससे बैंकों को काफी नुकसान पहुंचा है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि चीन इस समय वित्तीय संकट का सामना कर रही है। चीनी शहर हेनान और अनहुई प्रांतों के स्थानीय बैकों से ग्राहक अपना पैसा नहीं निकाल पा रहे हैं और यह देखकर लोगों ने विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। प्रदर्शन को शांत करने के लिए स्थानीय प्रशासन ने काफी कोशिश की लेकिन कोई फायदा नहीं हो पाया। हेनान शहर में प्रदर्शनकारियों की कोरोना स्थिति को एक अनिवार्य फोन ऐप पर लाल रंग में सेट कर दिया है जिसके कारण उन्हें घर के अंदर ही रहने पर मजबूर होना पड़ा रहा है। सरकार के समर्थित गुंडें प्रदर्शनकारियों पर जमकर हमला भी कर रहे है, जिसकी वीडियो भी सामने आ चुकी है। बता दें कि बैकों द्वारा निकासी फीज कराने से लगभग 4,00,000 बैंक ग्राहक प्रभावित हुए हैं और इसमें 6 अरब डॉलर की राशि जमा है। बैंक पहले ही कोरोना महामारी से पैदा हुई आर्थिक मंदी झेल रहा है। हालांकि, सरकार ने ग्राहकों को छोटी निकासी लेने निकालने की अनुमति दे दी है। माना जाता है कि चीनी जीडीपी का एक तिहाई हिस्सा रियल एस्टेट और इससे जुड़े उद्योग 17.5 ट्रिलियन डॉलर हैं। ज्यादातर चीन के मध्यम वर्ग के लोग निवेश के लिए इसको ही प्रमुख साधन मानते है। यहां तक की चीन बैकों के कुल कर्ज का एक तिहाई हिस्सा इसी क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। दिग्गज प्रॉपर्टी डेवलपर एवरग्रांडे ग्रुप को लोन डिफॉल्ट के कारण बड़ा झटका लगा और इससे कंपनी के शेयर में गिरावट आई थी।

ट्विटर का खुलासा, दुनियाभर की सरकारें यूजर अकाउंट की जासूसी करने को कह रही

वाशिंगटन। ट्विटर ने खुलासा किया कि दुनियाभर की सरकारें कंपनी से यूजर अकाउंट्स से सामग्री हटाने या उनके निजी विवरणों की जासूसी करने को कह रही हैं। कंपनी ने नई रिपोर्ट में खुलासा किया है, उसने पिछले साल छह महीने की अवधि के दौरान स्थानीय, राज्य या राष्ट्रीय सरकारों की रिकॉर्ड 60,000 कानूनी मांगों पर कार्रवाई की। ये सरकारें चाहती थीं कि ट्विटर अकाउंट से या तो सामग्री हटाई जाए या कंपनी यूजर की गोपनीय जानकारी यथा-प्रत्यक्ष संदेश या यूजर के स्थान, का खुलासा करे। ट्विटर की सुरक्षा और अखंडता मामलों के प्रमुख ने कहा, हम देख रहे हैं, कि सरकारें हमारी सेवा का उपयोग करने वाले लोगों को बेनकाब करने के लिए कानूनी रणनीति का उपयोग करने, अकाउंट के मालिकों के बारे में जानकारी एकत्र करने और कानूनी मांगों का उपयोग करने की कोशिश करने और लोगों को चुप कराने के तरीके के रूप में अधिक आक्रामक होती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका से सबसे अधिक 20 प्रतिशत अनुरोध आए, जिसमें अकाउंट की जानकारी, उसकी सूचना मांगी गई थी, जबकि भारत इस मामले में काफी पीछे है। ट्विटर का कहना है कि उसने मांगी गई सूचना के हिसाब से लगभग 40 प्रतिशत यूजर के अकाउंट की जानकारी साझा की। जापान की ओर से अकाउंट की जानकारी पाने का अनुरोध होता रहा हैं, और वह अकाउंट से सामग्री हटाने के लिए ट्विटर से सबसे अधिक अनुरोध करता है। सामग्री को हटाने के लिए जापान ने सभी अनुरोधों का आधा 23,000 से अधिक अनुरोध किए। रूस भी इसमें पीछे नहीं रहा। फेसबुक और इंस्टाग्राम की मालिक मेटा ने भी इसी समय सीमा के दौरान सरकार द्वारा निजी यूजर डेटा की मांग में वृद्धि की सूचना दी।

दक्षिण कोरिया में आठ हजार टन से ज्यादा भारी जहाज तैयार नजर आया।

कनाडा में पोप फ्रांसिस का दौरा, यौन शोषण पर कार्रवाई की मांग

- फ्रांसिस ने कनाडा के एक तीर्थस्थल में स्वदेशी समूहों के साथ उत्सव में भाग लिया

ओटावा । कैथोलिक चर्च द्वारा चलाए जा रहे आवासीय स्कूलों में दशकों से चली आ रही दुर्व्यवहार के पीड़ितों से माफी मांगने के लिए पोप फ्रांसिस अपने प्रायश्चित यात्रा के लिए कनाडा रवाना हुए थे। फ्रांसिस ने कनाडा के एक तीर्थस्थल में स्वदेशी समूहों के साथ उत्सव में भाग लिया। वहां पोप को देखने के लिए हजारों की संख्या में स्वदेशी लोग एकत्रित हुए थे। मनोवैज्ञानिक आघात को ठीक करने के लिए कई पारंपरिक उपाय भी किए गए। एक समूह ने कनाडा के स्वदेशी लोगों के खिलाफ की गई गालियों का विरोध करते हुए एक बैनर भी रखा। वहीं पीड़ितों का कहना है कि माफी पर्याप्त नहीं है। यह आघात पीढ़ियों से चला आ रहा है। पोप की माफी, कई लोगों के लिए भारी रही है। पीड़ितों ने यौन शोषण अपराधों पर कार्रवाई की मांग की है। स्वदेशी नेताओं ने सदियों बाद सिद्धांत और आवासीय विद्यालयों के गठन के बीच एक सीधी रेखा खींची है। कनाडा में पोप ने बताया कि आवाज उठाई जा रही है। लगभग 150,000 फर्स्ट नेशन्स, मेटिस और इनुइट बच्चों को 1800 के दशक के अंत से 1990 के दशक तक पूरे कनाडा में 139 आवासीय स्कूलों में नामांकित किया गया था, जो कि जबरन आत्मसात करने की सरकारी नीति के हिस्से के रूप में था। उन्हें अपनी मातृभाषा तक बोलने नहीं दी जाती थी। ऐसा कहा जाता है कि इस दौरान करीब 6 हजार बच्चे मारे गए थे।

मंकीपॉक्स के प्रकोप को रोका जा सकता है: डब्ल्यूएचओ

- 78 देशों से डब्ल्यूएचओ के सामने अभी तक मंकीपॉक्स के 18,000 से ज्यादा मंकीपॉक्स के मामले आए

वाशिंगटन (एजेंसी)।

मंकीपॉक्स के मामलों को बढ़ता देख विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगर संक्रमित देश, समुदाय और व्यक्ति खुद को इस बीमारी के बारे में जागरुक करते हैं और लोगों में इसके संचरण को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाते हैं तो मंकीपॉक्स के प्रकोप को रोका जा सकता है। डब्ल्यूएचओ के अधिकारी ने ट्वीट कर कहा कि 78 देशों से डब्ल्यूएचओ के सामने अभी तक मंकीपॉक्स के 18,000 से ज्यादा मामले आए हैं, जिनमें 70 प्रतिशत से अधिक मामले यूरोपीय क्षेत्र से और 25 प्रतिशत अमेरिका के क्षेत्रों से रिपोर्ट किए गए हैं। अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 10 फीसदी संक्रमित मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। यह एक ऐसा संक्रमण है जिसे रोका जा सकता है अगर देशों, समुदाय और लोग खुद को इसके बारे में जागरुक करें और इसे रोकने के कदमों को गंभीरता से लें।

उन्होंने कहा कि मंकीपॉक्स के प्रकोप को रोकने का सबसे अच्छा तरीका इसके जोखिम को कम करना, यानी अपने साथ दूसरों की सुरक्षा के बारे में सोचना। इसमें वे पुरुष भी शामिल हैं, जो दूसरे पुरुषों के साथ यौन संबंध

बनाते हैं। उन्हें अपने यौन पार्टनर्स की संख्या को कम करने, नए पार्टनर्स के साथ यौन संबंध पर पुनर्विचार करने और नए पार्टनर का कॉन्टेक्ट नम्बर रखना चाहिए ताकि जरूरत पड़ने उनसे से संपर्क किया जा सके। हालांकि, जो भी मंकीपॉक्स वायरस के संपर्क में आएगा संक्रमित हो जाएगा। यही वजह है कि डब्ल्यूएचओ देशों से आग्रह कर रहा है कि वे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और इम्यूनोसप्रेस्ड लोगों सहित अन्य कमजोर समूहों में संचरण के जोखिम को कम करने के लिए कार्रवाई करें।

यौन संपर्क के माध्यम से तो यह फैल ही सकता है लेकिन इसके अलावा, मंकीपॉक्स घरों में भी फैल सकता है, जैसे कि एक दूसरे को गले लगाना, चूमना और एक दूसरे का दूषित तौलिया या बिस्तर का इस्तेमाल करना। जो लोग मंकीपॉक्स के संपर्क में आते हैं उनके लिए डब्ल्यूएचओ टॉर्गेट वैक्सीनेशन की सलाह देता है। साथ ही उन लोगों के लिए भी जिनमें इस संक्रमण का सबसे ज्यादा खतरा है। इसमें कई यौन पार्टनर्स रखने वाले लोगों के अलावा, स्वास्थ्य कर्मी और लैब कर्मी भी शामिल हैं, ताकि वे मरीज़ की देखभाल के दौरान खुद को सुरक्षित रख सकें। साथ ही उन्होंने साफ किया कि डब्ल्यूएचओ सभी की वैक्सीन लगाने की सिफारिश नहीं कर रहा है।

पुतिन की तबीयत खराब, निकोलाई पेत्रुशेव बन सकते हैं नए राष्ट्रपति

-यूके की विदेशी खुफिया सेवा के पूर्व प्रमुख का दावा

लंदन (एजेंसी)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की खराब तबीयत के बीच यूके की विदेशी खुफिया सेवा के पूर्व प्रमुख ने रूस के संभावित नए राष्ट्रपति का नाम बताया है। सर रिचर्ड डियरलोव के मुताबिक रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव निकोलाई पेत्रुशेव रूस के मौजूदा राष्ट्रपति की जगह ले सकते हैं।डियरलोव ने रूस के संभावित नए राष्ट्रपति पर चर्चा की। डियरलोव की टिप्पणी उस समय आई है जब दावा किया जा रहा है कि रुसी राष्ट्रपति का स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा है।

डियरलोव ने कहा कि निश्चित रूप से पेत्रुशेव रूसी राष्ट्रपति बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन वह कितने समय तक राजनीतिक रूप से सक्रीय रहते है, यह एक दूसरा सवाल होगा। यूक्रेन रूस युद्ध के बीच में यह अफवाह जोर पकड़ रही है कि 69 वर्षीय पुतिन खराब स्वास्थ्य या किसी बीमारी का सामना कर रहे हैं। हालांकि रूस ने इन बातों को अफवाह बताकर खारिज कर दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, पेत्रुशेव पुतिन के करीबी सहयोगी हैं, जिन्होंने यूक्रेन पर रुसी आक्रमण और युद्धग्रस्त देश में रूस के लक्ष्यों को सही ठहराने का प्रयास किया है। पुतिन की ही तरह, पेत्रुशेव भी सोवियत संघ की मुख्य सुरक्षा एजेंसी केजीबी में कार्य कर चुके हैं। रूस की सरकारी वेबसाइट के अनुसार रूस की सुरक्षा परिषद राष्ट्रपति के कार्यकारी कार्यालय का एक अलग विभाग है। पेत्रुशेव इसी सुरक्षा परिषद के ही सचिव हैं। अगर रूस में कोई नया राष्ट्रपति आता है, तब वह देश में पुतिन के मजबूत दो दशकों के शासन के बाद सत्ता संभालेगा। रूस के नए कानून के तहत अभी पुतिन दो बार और राष्ट्रपति बन सकते हैं। अगर उनकी सेहत सही रही, तब पुतिन रूस की कमान 2036 तक संभालते रहने वाले है।

श्रीलंका के बाद बांग्लादेश पर आया आर्थिक संकट, आईएफएम से मांगा लोन

-राहुल गांधी ने बांग्लादेश की थी तारिफ

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

ढाका (ईएमएस)। भारत के पड़ोसी देशों में आर्थिक संकट छाया हुआ है। श्रीलंका के बाद पाकिस्तान, नेपाल, मालदीव और अब बांग्लादेश के आर्थिक हालात बिगड़ने की खबर है। कोरोना और रूस-यूक्रेन युद्ध ने कई देशों की अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया है। बता दें कि वित्तीय संकट से निपटने के लिए बांग्लादेश ने वॉशिंगटन स्थित अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएफएम) से 4.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का लोन मांगा है, इससे साफ होता है, कि बांग्लादेश आर्थिक मुसीबतों से जूझ रहा है।

2020 तक बांग्लादेश की पूरे दुनिया में वाहवाही हो रही थी। यह अनुमान लगा रहा था कि बांग्लादेश आने वाले समय में जीडीपी को लेकर भारत को पीछे छोड़ देगा। जिसके बाद से भारत के विपक्षी दलों खासकर कांग्रेस ने मोदी सरकार को तंज कसा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट कर बताया कि बीजेपी सरकार पिछले 6 साल से नफरत कि राजनीति कर रही है, यही मोदी सरकार की उपलब्धि है। पाकिस्तान से अलग होने के बाद बांग्लादेश एक गरीब देश हुआ करता था, लेकिन धीरे-धीरे इस देश ने अपने हालतों पर काबू पा लिया। लेकिन अब फिर से बांग्लादेश पर आर्थिक संकट का पहाड़ टूट पड़ा है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, प्रतिदिन 1.25 डॉलर में अपना जीवन चलाने वाले लोग 2019 में 9 फीसदी ही रह गए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक बांग्लादेश में आयत-निर्यात के बीच काफी अंतर बढ़ा है। बांग्लादेश सेंट्रल बैंक की रिपोर्ट बताती है कि आयत में तेजी आई है, लेकिन निर्यात घटा है। रिपोर्ट के अनुसार जुलाई, 2021 से लेकर मई 2022 के बीच 81.5 अरब डॉलर का आयात किया गया था यदि इसकी तुलना बीते साल से की जाए तो आयात में 39 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। इसका अर्थ है कि बांग्लादेश ने दूसरे देशों से सामान मंगवाने में अधिक डॉलर खर्च किए हैं और विदेशों को अपने सामान का निर्यात कम किया है जिससे देश के खजानों पर काफी गहरा प्रभाव पड़ा है।

मेरी प्राथमिकता अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना व ईंधन संकट दूर करना है : विक्रमसिंघे

कोलंबो (एजेंसी)।

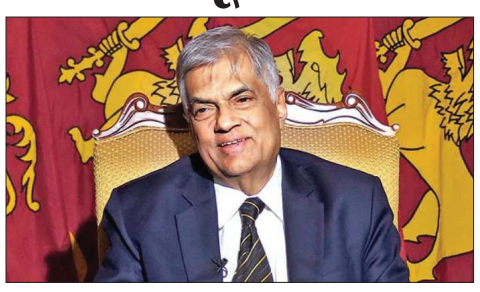

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि उनकी प्राथमिकता देश आर्थिक संकट से बाहर निकालकर पटरी पर लाना और देश में व्याप्त ईंधन संकट को खत्म करना है। श्रीलंका को आखिरी बार ईंधन की खेप भारत ने जून में ऋण सहायता के रूप में भेजी थी, जिसके बाद से श्रीलंका में ईंधन की किल्लत और बढ़ गई है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने अपने पार्टी मुख्यालय में एकत्र लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के खिलाफ नहीं है और बशर्ते कानून न तोड़ा जाए। हम संकट के दौर से गुजर रहे हैं और हम मिलकर परस्पर सहयोग से ही इस संकट से बाहर निकल सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैं सबसे मुश्किल दौर में राष्ट्रपति बना हूं।

उन्होंने कहा कि हमें हर हाल में अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना है। विक्रमसिंघे ने कहा कि सरकार का पहला कार्य ईंधन के लिए लगने वाली कतार को कम करना और फिर उसे पूरी तरह से खत्म करना है। गौरतलब है कि 27 जून से सरकार ने ईंधन की आपूर्ति बंद कर दी और इसे आवश्यक सेवाओं के लिए सीमित कर दिया। श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री कंचना विजेसेकरा ने कहा कि श्रीलंका अगले 12 महीने तक ईंधन के आयात को सीमिति रखेगा, क्योंकि देश में विदेशी मुद्रा की भारी कमी है।

उन्होंने पूरे देश में ईंधन के लिए राशन व्यवस्था भी लागू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा ईंधन की दैनिक मांग को पूरा नहीं किया जा सकता, इसलिए क्यूआर कोड प्रणाली लागू की गई है। विदेशी मुद्रा की कमी के कारण ईंधन के आयात पर अगले 12 महीने तक पाबंदियां रहेंगी।

ऋषि सुनक बोले- ब्रिटेन के पीएम बनने के बाद एनर्जी बिल पर वेट टैक्स को कर देंगे समाप्त

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन में इन दिनों प्रधानमंत्री पद के लिए प्रचार अभियान में उम्मीदवार आम जनता को रिझाने के लिए कई प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री की कुर्सी के लिए लिज़ ट्रस और ऋषि सुनक में टक्कर है। पीएम की रेस में ऋषि इस समय पीछे चल रहे हैं। लेकिन इसी बीच उन्होंने जनता से एक बड़ा वादा किया है। उन्होंने कहा कि अगर वह प्रधानमंत्री बनते हैं तो शीतकालीन योजना के हिस्से के रूप में घरों द्वारा भुगतान किए गए एनर्जी बिल पर लगने वाले वैल्यू एडेड टैक्स (वेट) को खत्म कर दिया जाएगा। टैक्स को लेकर उनकी नीतियों में ये एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि शुरुआत से ही सुनक इस बात पर जोर देते रहे हैं कि वह लुभाने वाली पॉलिसी से दूर रहेंगे। पूर्व वित्त मंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि वेट के हटने से साल भर में औसत घरेलू उपभोक्ताओं को 160 पाउंड लगभग 15,500 रुपए की बचत होगी। तीन महीने पहले वित्त मंत्री रहने के दौरान ऋषि सुनक ने उर्जा बिलों में कटौती से इनकार किया था। उस दौरान उन्होंने कहा कि ये परिवारों के लिए एक बड़ी मदद नहीं होगी।

चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन को दी खुली चेतावनी, कहा- ताइवान के मुद्दे से रहें बिल्कुल दूर

वाशिंगटन (एजेंसी)।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने फोन पर बातचीत के दौरान अपने अमेरिकी समकक्ष जो बाइडन को ताइवान को लेकर उसके मामले में हस्तक्षेप करने के खिलाफ चेतावनी दी। ताइवान स्वशासित द्वीप है जिसे चीन अपना हिस्सा मानता है। शी और बाइडन के बीच बृहस्पतिवार को फोन पर तीन घंटे हुई बातचीत की जानकारी देते हुए चीन सरकार ने बताया कि शी ने देश की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को विभाजित किए जाने के खिलाफ भी सचेत किया। व्यवसायियों एवं अर्थशास्त्रियों का कहना है कि चीनी औद्योगिक नीतियों और प्रौद्योगिकी निर्यात पर अमेरिकी प्रतिबंधों द्वारा लाए एक बदलाव नवाचार को धीमा करके और लागत में वृद्धि करके वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इस बीच, अमेरिका के एक अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया कि शी और बाइडन व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करने की संभावना तलाश रहे हैं। शी को जी20 देशों की बैठक के लिए नवंबर में इंडोनेशिया आमंत्रित किया गया है और इसी दौरान दोनों नेताओं के बीच सामने-सामने की मुलाकात होने की संभावना है। चीन सरकार ने इस बात का कोई संकेत नहीं दिया किया कि क्या शी और बाइडन ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइवान की संभावित यात्रा पर चर्चा की या नहीं, लेकिन शी ने ऐसी ''बाहरी ताकतों के हस्तक्षेप'' को खारिज कर दिया, जो ताइवान को अपनी दशकों पुरानी स्वतंत्रता को स्थायी बनाने की कोशिश करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। बयान में कहा गया, ''चीन की राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना 1.4 अरब से अधिक चीनी लोगों की दृढ़ इच्छा है। आग से खेलने वाले लोग स्वयं जलकर खाक हो जाएंगे।'' शी का यह कड़ा बयान संकेत देता है कि चीनी नेताओं का संभवत- यह मानना है कि वाशिंगटन को ताइवान को लेकर पहले दी गई चीन की चेतावनियों की गंभीरता समझ नहीं आई है। इससे पहले, चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने बुधवार को पेलोसी की प्रस्तावित ताइवान यात्रा को लेकर चेतावनी दोहराई। पेलोसी अगर ताइवान की यात्रा करती हैं तो 1997 के बाद किसी

शीर्ष अमेरिकी निर्वाचित प्रतिनिधि की इस द्वीपीय देश की पहली यात्रा होगी। चीन के सरकारी बयान के अनुसार, शी ने आर्थिक मंदी के जोखिम को कम करने, समिष्टि अर्थशास्त्र की नीतियों में समन्वय करने एवं कोविड-19 से निपटने जैसे क्षेत्रों में सहयोग किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने रणनीतिक कारणों से अमेरिकी और चीनी अर्थव्यवस्थाओं को अलग के खिलाफ भी सचेत किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाक जेलों में 4 महिला समेत 682 भारतीय नागरिक बंद: मुरलीधरन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद में बताया कि पाकिस्तान की जेलों में 4 महिलाओं समेत कुल 682 भारतीय नागरिक बंद हैं। राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन ने बताया कि इनमें 17 ऐसे हैं, जो 10 सालों से अधिक समय से पड़ोसी देश की हिरासत में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2014 से अब तक भारत 2,214 भारतीयों को पाकिस्तान से स्वदेश ला चुका है। भाजपा सांसद राकेश सिन्हा द्वारा पाकिस्तान की जेलों में कैद भारतीयों नागरिकों की संख्या पूछे जाने पर मुरलीधरन ने कहा कि कॉन्सुलर एक्सेस संबंधी भारत-पाकिस्तान करार के अंतर्गत एक जुलाई 2022 को पाकिस्तान द्वारा दी गई कैदियों की सूची के अनुसार पाकिस्तान ने स्वीकार किया है कि उसकी जेलों में 633 मछुआरे और 49 नागरिक कैद हैं, जो भारतीय हैं। उन्होंने कहा इन 682 कैदियों में से 4 महिलाएं हैं और 17 कैदी 10 वर्ष से भी अधिक समय से पाकिस्तान की हिरासत में है। विदेश राज्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ राजनीतिक चैनलों के माध्यम से लगातार इस मुद्दे को उठा कर रही है और सजा पूरी कर चुके सभी भारतीय कैदियों की रिहाई एवं स्वदेश वापसी की मांग करती रही है। मुरलीधरन ने कहा कि सरकार, पाकिस्तान में भारतीयों कैदी के कल्याण, सलामती और सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता देती है।

मिशन 2024 में जुटे तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, दिल्ली में अखिलेश यादव से की मुलाकात

नई दिल्ली। 2024 में होने वाले आम चुनाव को लेकर हम सभी राजनीतिक दलों ने अपने समीकरणों को धार देने की शुरुआत कर दी है। वर्तमान में देखें तो जहां ममता बनर्जी एक अलग गठबंधन की कवायद कर रही हैं। तो वहीं तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव भी विपक्षी दलों को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। इन सबके बीच आज तेलंगाना के मुख्यमंत्री नई दिल्ली पहुंचे हैं जहां उन्होंने समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव से मुलाकात की है। इस मुलाकात के दौरान अखिलेश यादव के साथ समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव भी मौजूद रहे। सूत्रों ने बताया है कि दोनों नेताओं के बीच वर्तमान के राजनीतिक हालात और अन्य राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई है। हाल के दिनों में देखें तो अखिलेश यादव और के चंद्रशेखर राव की यह दूसरी मुलाकात थी। यही कारण है कि अपने सियासी गठबंधन के कयास शुरू हो गए हैं। उत्तर प्रदेश में हाल में ही संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव की पार्टी ने 100 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल की है। फिलहाल उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव विपक्ष के नेता भी हैं। दिल्ली की राजनीति को साधने के लिए उत्तर प्रदेश बेहद महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि के चंद्रशेखर राव लगातार अखिलेश यादव से मुलाकात कर रहे।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने दिए मुंबई एयरपोर्ट के पास बनी 48 इमारतों पर कार्रवाई के आदेश

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई एयरपोर्ट के पास 48 इमारतों पर कार्रवाई के आदेश दिया है. हाईकोर्ट ने जिलाधिकारी को आदेश दिए हैं कि एयरपोर्ट और रनवे के बीच में सुरक्षा को लेकर कोई समझौता ना करें और ऐसी इमारतों पर जरूरी कार्रवाई की जाए. अदालत ने आदेश दिया है कि जिस इमारत की ऊंचाई ज्यादा है, उसे कम किया जाए. इससे पूर्व बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को टिप्पणी की कि विमानन में, सब कुछ हवाई यातायात नियंत्रण पर निर्भर करता है और एक गलती से कुछ भी हो सकता है. अदालत मुंबई हवाई अड्डे के पास ऊंची इमारतों से विमानों के लिए खतरों पर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए ये बातें कही थी. मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एम.एस.कार्णिक की खंडपीठ अधिवक्ता यशवंत शेनॉय द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मुंबई शहर के हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्र में निर्धारित ऊंचाई सीमा से ऊपर के भवनों के निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी. शेनॉय ने तर्क दिया कि इन इमारतों से विमान के यहां हवाईअड्डे पर उड़ान भरने और उतरने के समय खतरा हो सकता है और किसी दिन कोई अप्रिय घटना हो सकती है. हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और मुंबई महानगरपालिका से इस मुद्दे पर क्या कार्रवाई की है, इस पर अपना हलफनामा दाखिल करने को कहा है. यह देखते हुए कि इस मुद्दे ने सभी को चिंतित किया, मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता ने कहा कि उन्होंने हाल ही में अजय देवगन-स्टारर हिंदी फिल्म 'रनवे 34' देखी. कुछ भी पायलट पर निर्भर नहीं करता है. सब कुछ हवाई यातायात नियंत्रण पर निर्भर करता है.' 'हमें लगता है कि पायलट ने घोषणा की है कि हम लैंडिंग या टेक ऑफ के लिए तैयार हैं और बाहर का तापमान ऐसा ही है और सब कुछ ठीक है. लेकिन यह सब कई अन्य कारकों पर निर्भर करता है. इधर-उधर एक गलती...कुछ भी हो सकता है.'

कहीं पर भी बाल विवाह हुआ तो इलाके के मुखिया होंगे जिम्मेदार: बिहार सरकार

पटना। बिहार सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को राज्य में बाल विवाह निषेध अधिनियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि यदि किसी इलाके से अवैध विवाह की सूचना मिलती है तो संबंधित मुखिया को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा। पंचायती राज विभाग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि यदि किसी क्षेत्र से बाल विवाह की सूचना मिलती है तो सरकार संबंधित मुखिया और पंचायत के वार्ड सदस्यों को हटाने की कार्रवाई भी शुरू करेगी। विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को अपने-अपने जिलों में ग्राम पंचायतों को इस संबंध में संवेदनशील बनाने और राज्य में बाल विवाह को रोकने में उनकी भूमिका के बारे में मुखिया को भी जानकारी देने को कहा है। पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, 'बाल विवाह निषेध अधिनियम और दहेज विरोधी कानून को सख्ती से लागू करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही हम यह भी स्पष्ट करना चाहते हैं कि सभी मुखिया को इसे रोकने में अपनी भूमिका को जानना चाहिए क्योंकि वे स्थानीय स्वशासन के निर्वाचित प्रतिनिधि हैं।'' उन्होंने कहा कि आम तौर पर मुखिया गांवों में विवाह प्रमाणपत्र जारी करते हैं इसलिए यह उनकी जिम्मेदारी है कि वे अपने क्षेत्रों में बाल विवाह की जांच करें। मंत्री ने कहा कि यदि बाल विवाह किसी विशेष क्षेत्र में हो रहा है तो संबंधित मुखिया का यह कर्तव्य है कि वह तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित करें। यदि पंचायती राज विभाग को किसी विशेष इलाके में इस तरह के विवाह के बारे में पता चलता है तो इसके लिए मुखिया को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। ऐसे में मुखिया अपनी सदस्यता खो देंगे।

अब 18 साल का होने से पहले ही दर्ज करा सकते हैं वोटर लिस्ट में नाम, ईसी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। चुनावों में युवाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास के तहत निर्वाचन आयोग ने फैसला किया है कि 18 वर्ष पूर्ण होने पर मतदाता के तौर पर पंजीकरण कराने के लिए अब 17 साल से अधिक उम्र के युवा अग्रिम आवेदन कर सकते हैं। कुछ समय पहले तक, किसी वर्ष एक जनवरी को या उससे पहले 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के पात्र होते थे। एक जनवरी के बाद 18 साल के होने वालों को मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए पूरे एक साल तक इंतजार करना पड़ता था। चुनाव कानून में बदलाव के बाद, लोग एक जनवरी, एक अप्रैल, एक जुलाई और एक अक्टूबर को 18 साल की उम्र में मतदाता के रूप में पंजीकरण करा सकते हैं। निर्वाचन आयोग के एक बयान के अनुसार, मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार और निर्वाचन आयुक्त अनूप चंद्र पांडे के नेतृत्व में आयोग ने राज्यों में चुनावी तंत्र को तकनीक-सक्षम समाधान तैयार करने का निर्देश दिया है ताकि युवाओं को अपना अग्रिम आवेदन करने में सुविधा हो। बयान में कहा गया है, ''अब से, मतदाता सूची को हर तिमाही में अपडेट किया जाएगा और पात्र युवाओं को उस वर्ष की अगली तिमाही में पंजीकृत किया जा सकता है जिसमें वे 18 वर्ष के हुए होंगे।'' निर्वाचन आयोग ने बाद में कहा, ''अग्रिम आवेदन नौ नवंबर, 2022 को या उसके बाद जमा किये जा सकते है, यह वह तारीख है जब मतदाता सूची का मसौदा प्रकाशित किया जाएगा।''

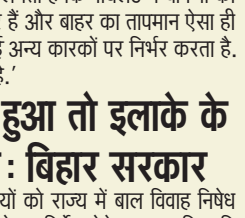

जलवायु वि के मुद्दों पर विकसित देशों को दावों की भारत ने खोली पोलः सरकार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

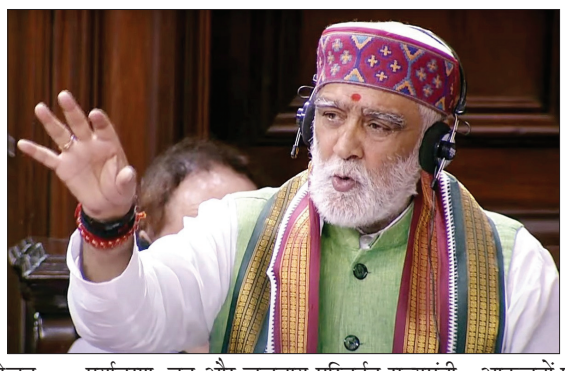

केंद्र सरकार ने कहा है कि भारत जलवायु संबंधी वित्त के मुद्दों को उठाने में अग्रणी रहा है कि उसके प्रयासों के चलते ही विकसित देशों के उन अतिशयोक्तिपूर्ण दावों की पोल खुली है, जिनमें कहा गया था कि वे विकासशील देशों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिवर्ष 100 अरब डॉलर संयुक्त रूप से जुटाने को प्रतिबद्ध हैं। वर्ष 2009 में कोपनहेगन में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ता सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) के 15वें पक्षकारों के सम्मेलन (सीओपी-15) में विकसित देशों ने विकासशील देशों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्ष 2020 तक प्रतिवर्ष 100 अमेरिकी अमेरिकी डॉलर संयुक्त रूप से जुटाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी। अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने में विकसित देशों के विफल रहने के कारण पेरिस में आयोजित सीओपी-21 बैठक में 100 अरब डॉलर प्रति वर्ष लक्ष्य का विस्तार वर्ष 2025 तक करने का निर्णय लिया गया था।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री अश्विनी चौबे ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में कहा, ''भारत जलवायु संबंधी वित्त के मुद्दों को उठाने में अग्रणी रहा है। भारत के प्रयासों ने बार-बार विकसित देशों की एजेंसियों के दावों को गलत साबित किया है कि यह लक्ष्य पूरा होने के करीब है। साथ ही यह बताया है कि वर्तमान में जुटाया गया जलवायु संबंधी वित्त वास्तव में बहुत कम है।'' उन्होंने बताया कि भारत जलवायु संबंधी नीति की परिमें स्पष्टता लाने और ऐसे वित्त के पैमाने, दायरे और आपूर्ति की गति के महत्व को स्पष्ट करने की मांग करने में भी अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा इस बात पर कायम रहा है कि जलवायु संबंधी वित्त नया और अतिरिक्त (विदेशी विकास सहायता के संबंध में) मुख्य रूप से अनुदान के रूप में होना चाहिए, ऋण के रूप में नहीं। साथ ही यह शमन और अनुकूलन के बीच संतुलित होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्तमान में जलवायु संबंधी वित्त की परिके संबंध में तथा आकलनों एवं की गई प्रगति के संबंध में अनेक मुद्दे हैं और धन जुटाने के लक्ष्यों को किस हद तक हासिल किया जा सकता है, इसकेअलग-अलग अनुमान हैं। यूएनएफसीसीसी की वित्त संबंधी स्थाई समिति के चौथे द्विवार्षिक आकलन में वर्ष 2018 तक जलवायु संबंधी वित्त प्रवाह के संबंध में एक अद्यतन समीक्षा और इसके रुझान प्रस्तुत किए हैं और इसके मुताबिक कुल सार्वजनिक वित्तीय सहायता वर्ष 2017 में 45.4 अरब तथा वर्ष 2018 में 51.8 अरब डॉलर थी।

अगले सप्ताह दिल्ली आ रही हैं ममता बनर्जी, पीएम मोदी से हो सकती है मुलाकात

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी अगले सप्ताह दिल्ली दौरे पर आ रही हैं। जानकारी के मुताबिक उनका चार दिवसीय दिल्ली दौरा 4 अगस्त से शुरू होगा। ममता बनर्जी 8 अगस्त तक दिल्ली में रह सकती हैं। हालांकि, अभी तक तारीखों को लेकर अंतिम निर्णय नहीं किया गया है। खबर तो यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी ममता बनर्जी की मुलाकात हो सकती है। नरेंद्र मोदी और ममता बनर्जी की मुलाकात 5 या 6 तारीख को संभव है। ममता बनर्जी की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब पश्चिम बंगाल में पार्थ चटर्जी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई जारी है। पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता मुखर्जी के घर से प्रवर्तन निदेशालय ने अभी तक 55 करोड से ज्यादा रुपए बरामद किए हैं। इसके साथ ही यह बैठक उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर भी अहम हो जाती है। ममता बनर्जी की पार्टी ने फिलहाल उपराष्ट्रपति चुनाव में शामिल नहीं होने का फैसला लिया है। ममता बनर्जी ने एक बार ऐलान किया था कि वह हर संसद सत्र के दौरान दिल्ली आएंगी। इस लिहाज से भी ममता बनर्जी का यह दौरा काफी अहम माना जा रहा है। सूत्रों ने बताया है कि ममता बनर्जी के दिल्ली दौरे से तृणमूल कांग्रेस के सांसदों का मनोबल बढ़ेगा। तृणमूल कांग्रेस के सांसद लगातार भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे हैं। आपको बता दें कि हाल में संसद से कई सदस्यों को निलंबित किया गया है जिनमें तृणमूल कांग्रेस के साथ सांसद भी शामिल हैं।

पिता की मौत हो गयी है तो बच्चे का सरनेम बदल सकती है माँः सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पिता के निधन के बाद बच्चे की नैसर्गिक अभिभावक होने के नाते मां के पास उपनाम पर निर्णय लेने का अधिकार है। उच्चतम न्यायालय ने यह टिप्पणी आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के फैसले को रद्द करते हुए की। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में महिला को निर्देश दिया था कि वह दस्तावेजों में अपने दूसरे पति का नाम सौतेले पिता के रूप में दर्ज करे। न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ ने कहा कि दस्तावेजों में महिला के दूसरे पति का नाम 'सौतेले पिता' के रूप में शामिल करने का उच्च न्यायालय का निर्देश 'लगभग क्रूर' और इस तथ्य के प्रति नासमझी को दिखाता है कि यह बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य और आत्मसम्मान को कैसे प्रभावित करेगा।

न्यायालय ने कहा कि बच्चे की एकमात्र नैसर्गिक अभिभावक होने के नाते मां को बच्चे का उपनाम तय करने का अधिकार है और उसे बच्चे को गोद लेने के लिए छोड़ने का भी अधिकार है। शीर्ष अदालत पहले पति की मृत्यु के बाद पुनर्विवाह करने वाली मां और बच्चे के मृत जैविक पिता के माता-पिता के बीच बच्चे के उपनाम से जुड़े एक मामले से सुनवाई कर रही थी।

पीठ ने कहा कि अपने पहले पति की मृत्यु के बाद बच्चे की एकमात्र नैसर्गिक अभिभावक होने के नाते मां को अपने नये परिवार में बच्चे को शामिल करने और उपनाम तय करने से कानूनी रूप से कैसे रोका जा सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि एक नाम महत्वपूर्ण है, क्योंकि एक बच्चा इससे अपनी पहचान प्राप्त करता है और उसके नाम और परिवार के नाम में अंतर गोद लेने के तथ्य की निरंतर याद दिलाने के रूप में कार्य करेगा। ऐसे में बच्चे को अनावश्यक सवालों का सामना करना पड़ेगा, जो उसके माता-पिता के बीच एक सहज और प्राकृतिक संबंध में बाधा उत्पन्न करेंगे।

स्कूली शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को अच्छा मनुष्य, देशभक्त, रोजगार योग्य बनाना: केजरीवाल

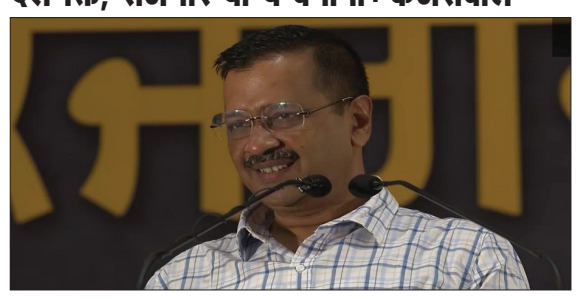

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि उनकी स्कूली शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को अच्छा मनुष्य, देशभक्त और रोजगार हासिल करने योग्य बनाना है। 'हैप्पीनेस' पाठ्यक्रम के चार साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में केजरीवाल ने कहा कि जब वह सत्ता में आए थे, तब स्कूलों की स्थिति खराब थी और बोर्ड की परीक्षा के परिणाम भी अच्छे नहीं आते थे। उन्होंने कहा, '' लेकिन अब हम अच्छा कर रहे हैं। हमने विभिन्न पाठ्यक्रम जारी किए हैं और शैक्षणिक दबाव को कम किया है।

'हैप्पीनेस' कक्षाओं से बच्चों का तनाव कम हुआ और इसलिए दिल्ली में छात्रों की आत्महत्या का कोई मामला भी नहीं सामने आया।'' मुख्यमंत्री ने बताया कि वे छात्रों को ऐसा बनाना चाहते हैं, जो ''नफरत'' नहीं बल्कि देश में ''प्रेम के संदेश'' का प्रचार करें। केजरीवाल ने कहा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी ने भी दिल्ली सरकार की 'हैप्पीनेस' कक्षाओं में हिस्सा लिया था और वह उससे काफी प्रभावित भी हुई थीं।

नवनीत राणा की जान को खतरा! शुभचिंतक ने खत लिखकर किया आगाह- सावधान रहें, कुछ लोग पीछा कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कुछ महीने पहले मीडिया की सुर्खियों में रही अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा को जान से मारने की धमकी मिल रही है। दरअसल, नवनीत राणा ने हाल के दिनों में हिंदू हित की आवाज बढ़-चढ़कर उठाई है। यही कारण है कि वह कट्टरपंथियों के निशाने पर हैं। इन सबके बीच नवनीत राणा को एक गुमनाम खत मिला है। खत में नवनीत राणा को सावधान रहने के लिए कहा गया है। इसमें यह भी लिखा है कि कुछ लोग उनका पीछा कर रहे हैं। इसलिए से संभल कर रहे। आपको बता दें कि नवनीत राणा अमरावती के मेडिकल स्टोर के मालिक उमेश कोल्हे की हत्या का मुद्दा भी खूब उठाया था।

जानकारी के मुताबिक इस पत्र में यह भी लिखा है कि कुछ लोग नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा के घर की रेकी की है। राजस्थान बॉर्डर से अमरावती आए थे। हालांकि इस चिट्ठी में किसी का नाम नहीं लिखा है। लेकिन नवनीत राणा को आगाह रहने की बात जरूर की है। फिलहाल नवनीत राणा इस बारे में पुलिस को सूचना दे दी है। पुलिस की ओर से कोई बयान तक नहीं आया है। लेकिन नवनीत राणा की सुरक्षा में बढ़ोतरी की जा सकती है। आपको बता दें कि नूपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की वजह से कट्टरपंथियों ने उमेश कोल्हे की हत्या कर दी थी। नवनीत राणा ने इसके खिलाफ आवाज उठाई थी।

हाईकोर्ट के जज से कराई जानी चाहिए जहरीली शराब कांड जांचः कांग्रेस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

गुजरात में जहरीली शराब पीने से कुछ दिन पहले कई लोगों की मौत हो गई थी। कांग्रेस ने मांग की है कि इस घटना की जांच हाईकोर्ट के किसी जज से कराई जानी चाहिए। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा ने यह आरोप भी लगाया कि गुजरात में भाजपा सरकार के संरक्षण में नशे का कारोबार चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि तथाकथित शराबबंदी वाले गुजरात में जहरीली शराब पीने की वजह से 45 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है और 100 से ज्यादा लोग जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। उनके अनुसार यह जानकारी सामने आई है कि बोटाद जिले में 600 लीटर 'मिथाइल अल्कोहल% (मेथेनॉल) अहमदाबाद से लाया गया था। उसके बाद इसमें पानी मिलाकर जिले के विभिन्न इलाकों में बेच दिया गया जिसके सेवन से या तो लोगों की जान चली गई या उनके

गुर्दे खराब हो गए। पवन खेड़ा ने कहा एक ड्राई स्टेट में इतना सब कुछ हो जाए और स्थानीय पुलिस-प्रशासन को भनक तक नहीं लगी, यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके पीछे सत्ताधारी दल के नेता, पुलिस-प्रशासन और शराब माफियाओं की मिलीभगत रही होगी। यह सिर्फ आरोप नहीं है, बल्कि इसके पीछे ठोस आधार भी है। रोजीद गांव के सरपंच ने प्रशासन को लगातार पत्र लिखकर बताया कि गांव में सरेआम देसी शराब की बिक्री की जा रही है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने दावा किया जहरीली शराब से जिन लोगों की मौत हुई है उनके परिजनों ने साफ बताया है कि कोई शराबबंदी नहीं हुई है। गुजरात में अवैध शराब का करीब 15,000 करोड़ रुपए का सालाना कारोबार है। पीएम नरेंद्र मोदी के गांव वडनगर से लेकर हर ज़िले में शराब का गैर क़ानूनी धंधा फल फूल रहा है। पवन खेड़ा ने कहा कि इतना बड़ा मामला हुआ, करीब 50 लोगों की जान गई, 100 से ज्यादा लोग जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन न गृहमंत्री और न मुख्यमंत्री सामने आए हैं और न प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिवारों से मुलाक़ात की, जबकि प्रधानमंत्री गुजरात में ही हैं। उन्होंने कहा जहरीली शराब कांड की उच्च न्यायालय के किसी वर्तमान न्यायाधीश से जांच कराई जानी चाहिए क्योंकि जिस पुलिस पर आरोप है यदि वही जांच करेगी तो जांच का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा जहरीली शराब पीने की वजह से जिन लोगों की मौत हुई है उनमें से अधिकतर गरीब थे और घर चलाने की उन पर जिम्मेदारी थी। ऐसे परिवारों को समुचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।

यूक्रेन और चीन से लौटने को मजबूर हुए मेडिकल छात्रों को बड़ी राहत देने जा रही है भारत सरकार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने उच्चतम न्यायालय को बताया है कि मेडिकल के अंतिम वर्ष के उन छात्रों को एफएमजी परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी, जो कोविड और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण भारत लौटे हैं और जिन्हें अधिसूचना तिथि पर डिग्री प्राप्त हुई है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने 23 जून को एक हलफनामे में कहा कि विदेशी चिकित्सा स्नातक (एफएमजी) परीक्षा उत्तीर्ण करने पर, ऐसे विदेशी चिकित्सा स्नातकों को मौजूदा एक साल के मानदंड के बजाय दो साल के लिए कंपलसरी रोटेटिंग मेडिकल इंटर्नशिप (सीआरएमआई) करनी होगी। विदेशी चिकित्सा स्नातक दो वर्ष तक सीआरएमआई पूरा करने के बाद ही पंजीकरण के पात्र होंगे। एनएमसी के हलफनामे में कहा गया है कि क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए इंटर्नशिप की अवधि को दोगुना कर दिया गया है।

एनएमसी के रुख पर गौर करते हुए, शीर्ष अदालत ने 25 जुलाई के आदेश में कहा, %23 जुलाई के हलफनामे के साथ दायर अनुपालन रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लिया जाता है। वर्तमान में विभिन्न आवेदनों के सिलसिले में आगे कोई आदेश देने की अपील नहीं जा सकती। तदनुसार आवेदनों का निपटारा किया जाता है। यदि कोई लंबित आवेदन हो, तो उसका भी निपटारा किया जाता है।% उच्चतम न्यायालय ने 29 अप्रैल को नियामक संस्था को रूस-यूक्रेन युद्ध और महामारी से प्रभावित एमबीबीएस छात्रों को एक बार के उपाय के रूप में यहां के मेडिकल कॉलेजों में अपना क्लीनिकल प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति देने के लिए दो महीने में एक योजना तैयार करने का निर्देश दिया था।

एनएमसी ने हलफनामे में कहा कि 29 अप्रैल के फैसले के बाद, उसके स्नातक चिकित्सा शिक्षा बोर्ड (यूजीएमईबी) ने अपनी विभिन्न बैठकों में विदेशी चिकित्सा स्नातकों से संबंधित मामले पर चर्चा की और विचार-विमर्श किया। यूजीएमईबी के सदस्यों, स्वास्थ्य मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के बीच विचार-विमर्श के दौरान, यह बताया गया कि यूक्रेन के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में 20,672 भारतीय छात्र नामांकित हैं, जो ऑनलाइन

कक्षाएं ले रहे हैं। एनएमसी ने हलफनामे में कहा कि मेडिकल के अंतिम वर्ष के उन छात्रों को एफएमजी परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी, जो रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण भारत लौटे हैं और जिन्हें अधिसूचित होने की तिथि पर डिग्री प्राप्त हुई है। इनमें वे छात्र भी शामिल हैं, जो कोविड-19 के कारण चीन से लौटे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

भारत अब यूएसए, यूके और सिंगापुर जैसे दुनिया के देशों की कतार में खड़ा हो रहा है:पीएम मोदी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात की राजधानी

-मोदी ने गिफ्ट सिटी में भारत का पहला अंतर्राष्ट्रीय बुलियन एक्सचेंज- शुभारंभ किया
-गिफ्ट सिटी की परिकल्पना में देश के आम आदमी की आकांक्षाएं शामिल हैं
-प्रधानमंत्री ने गांधीनगर में गिफ्ट सिटी में आईएफएससीए मुख्यालय की आधारशिला रखी

गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) के मुख्यालय भवन की आधारशिला रखी। उन्होंने गिफ्ट-आईएफएससी में भारत का पहला अंतर्राष्ट्रीय बुलियन एक्सचेंज इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (आईआईबीएक्सएफ) का भी शुभारंभ किया। उन्होंने एनएसई आईएफएससी-एसजीएक्स कनेक्ट की भी शुरूआत की। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल, केंद्रीय मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, केंद्र सरकार और राज्य सरकार के मंत्री, राजनयिक, कारोबार के क्षेत्र के दिग्गज उपस्थित थे।

इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दिन भारत की बढ़ती आर्थिक और तकनीकी ताकत और भारत के कौशल में बढ़ते वैश्विक विश्वास के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''आज गिफ्ट सिटी में, इंटरनेशनल फाइनेंशियल

पीएम मोदी का अहमदाबाद एयरपोर्ट पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

सर्विसेज सेंटर अथॉरिटी-आईएफएससी हेड क्वार्टर बिल्डिंग का शिलान्यास किया गया है। मुझे विश्वास है, ये भवन अपने आर्किटैक्चर में जितना भव्य होगा, उतना ही भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने के असीमित अवसर भी खड़े करेगा।卐 प्रधानमंत्री ने कहा कि आईएफएससी नवाचार को बढ़ावा देगा और विकास के लिए एक उत्प्रेरक के साथ-साथ उत्प्रेरक भी होगा। आज लॉन्च किए गए संस्थान और प्लेटफॉर्म 130 करोड़ भारतीयों को आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा, "भारत अब यूएसए, यूके और सिंगापुर जैसे दुनिया के उन देशों की कतार में खड़ा हो रहा है जहां से ग्लोबल फाइनेंस को दिशा दी जाती है।" गिफ्ट सिटी की अपनी मूल अवधारणा का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ''गिफ्ट सिटी महज कारोबार करने के लिए नहीं है, बल्कि देश के आम आदमी की जो आकांक्षाएं हैं वो गिफ्ट सिटी के विजन का हिस्सा हैं। भारत के भविष्य का विजन गिफ्ट सिटी से जुड़ा है और भारत के सुनहरे अतीत के सपने भी इससे जुड़े हैं।''

प्रधानमंत्री ने याद किया कि 2008 में जब दुनिया आर्थिक संकट और मंदी का सामना कर रही थी, तब भारत में नीतिगत निष्क्रियता का माहौल था। उन्होंने कहा, ''लेकिन, उस समय फिनटेक के क्षेत्र में गुजरात नए और बड़े कदम उठा रहा था। मुझे खुशी है कि आज वो आइडिया इतना आगे बढ़ चुका है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि गिफ्ट सिटी वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के केंद्र के रूप में एक मजबूत पहचान बना रहा है। गिफ्ट सिटी वेल्थ और विजडम दोनों को सेलिब्रेट करता है। उन्हें ये देखकर भी खुशी हुई कि गिफ्ट सिटी के जरिए भारत विश्व स्तर पर सेवा क्षेत्र में अपनी एक मजबूत हिस्सेदारी के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गिफ्ट सिटी एक ऐसा स्थान है जहां वेल्थ क्रिएशन हो रही है और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ दिमाग यहां जुट रहे हैं और सीख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''एक लिहाज से ये वित्त और व्यापार में भारत के गौरव को फिर से हासिल करने का एक जरिया भी है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें ये याद रखना होगा कि एक जीवंत फिनटेक क्षेत्र का मतलब सिर्फ एक आसान व्यापारिक माहौल, सुधार और नियमन भर नहीं है। ये विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले पेशेवरों को बेहतर जीवन और नए अवसर देने का भी जरिया है।

सूरत में रेलवे पुलिस ने जब्त की 21.62 लाख की विदेशी शराब नष्ट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत रेलवे थाने में जब्त की गई 21.62 लाख कीमत की शराब को नष्ट कर दिया गया. यहां वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में शराब को नष्ट किया गया. पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में सूरत रेलवे थाने की सीमा के भीतर सितंबर 2021 से जून 2022 तक शराब के विभिन्न मामलों को अंजाम दिया गया. और विदेशी शराब के जत्थे को रवाना किया गया।

इतनी मात्रा में शराब उधना डिपो परिसर में ही नष्ट कर दी गई. पुलिस के आला अधिकारियों की मौजूदगी में शराब को नष्ट किया गया. पुलिस ने बताया कि यहां 21.62 लाख की शराब थी और इतनी मात्रा में शराब को यहां नष्ट कर दिया गया है.

बोटाद जहरीली शराब कांड के बाद तेज हुई कार्रवाई

बोटाद जहरीली शराब कांड से गुजरात हिल गया है। सूरत में भी पुलिस ने जगह-जगह चेकिंग कर शराब गिरोहों की गिरफ्तारी का अभियान शुरू कर दिया है. इस बीच, आज उधना बस डिपो में 21.62 लाख की शराब को नष्ट कर दिया गया.

केवल 60 रुपए में अहमदाबाद और गांधीनगर के 23 मंदिरों में दर्शन कराएगा एएमटीएस

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में आज से सावन महीने का प्रारंभ हो गया है और महीने के पहले ही दिन से खासकर शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी है। अहमदाबाद म्युनिसिपल ट्रांसपोर्ट सर्विस (एएमटीएस) ने सावन महीने के लिए धार्मिक बस यात्रा योजना का टिकट के दर रु 90 से घटाकर रु 60 कर दिए हैं। सामान्य दिनों में धार्मिक बस यात्रा योजना में वयस्कों के रु 90 और बच्चों का टिकट रु 45 लगता है। लेकिन सावन महीने के लिए इसमें कटौती कर दी गई है। जिसमें वयस्कों के लिए रु 60 और बच्चों का टिकट रु 30 का होगा। इसके अलावा रक्षाबंधन के दिन भी महिलाएं मनपसंद टिकट योजना के केवल रु 10 देकर यात्रा कर सकेंगी। जबकि बच्चों के टिकट की कीमत रु 5 होगी। बात करें धार्मिक बस यात्रा योजना तो इसे अहमदाबाद महानगर परिवहन निगम ने शहर स्थित धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए शुरू किया है। जिसें शहर के कुल 23 जितने अलग अलग मंदिरों में यात्रियों को दर्शन करवाया जाता है। आज से सावन महीने का प्रारंभ हो गया है और सावन महीने में बड़ी संख्या में मंदिर खासकर शिव मंदिर में दर्शन करने जाते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं को सस्ते दर में मंदिरों के दर्शन कराने के लिए एएमटीएस ने टिकट के दर में कटौती की है। पूरे सावन महीने के दौरान एएमटीएस रु 60 में अहमदाबाद और गांधीनगर के 23 मंदिरों में दर्शन करवाएगी। इन मंदिरों में वैष्णोदेवी मंदिर, हरेकृष्ण मंदिर, त्रिमंदिर, जलाराम मंदिर, नरोडा बैठक, लांभा मंदिर, सोमनाथ महादेव, इस्कॉन मंदिर, सोला भागवत, चकुडिया महादेव, नीलकंठ महादेव, जगन्नाथ मंदिर, महाकाली मंदिर, गुरुद्वारा एसजी हाईवे, तिरुपति बालाजी, अक्षर पुरुषोत्तम मंदिर, कर्णमुक्तेश्वर महादेव, भद्रकाली मंदिर, विश्व उमियाधाम, सिद्धि विनायक मंदिर, कैम्प हनुमान और परमेश्वर महादेव मंदिर शामिल हैं। धार्मिक बस यात्रा योजना के लिए कम से कम 40 यात्री होना जरूरी है। सुबह 8.15 बजे एएमटीएस की बस यात्रियों को ले जाएगी और 8 घंटों में सभी मंदिरों के दर्शन कराने के बाद शाम 4.15 बजे वापस लौटेगी। एएमटीएस बस की सुविधा यात्रियों द्वारा निर्धारित स्थल पर उपलब्ध करवाएगा।